शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 314 | गुवाहाटी | शनिवार, 20 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

उत्तर कोरिया का परमाणु निरस्त्रीकरण ट्रंप प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता... पेज 2
अंबुवासी मेला : व्यापक व्यवस्थाओं से श्रद्धालुओं को मिल रहा... पेज 3
मंत्री विजय सिन्हा ने शाहपुर एनकाउंटर पर उठाए सवाल, प्रशासन की ... पेज 5
फीफा विश्व कप : नॉकआउट चरण में पहुंचने वाला पहला देश बना मेक्सिको... पेज 7

नि:शुल्क प्रवेश योजना

राज्य में 1.85 लाख से अधिक छात्रों का नामांकन दर्ज : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य भर में 1.85 लाख से अधिक स्नातक छात्रों को इस शैक्षणिक वर्ष में सरकार की नि:शुल्क प्रवेश योजना का लाभ मिला है। उन्होंने इस उपलब्धि को उच्च शिक्षा तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाई गई कल्याणकारी योजनाओं के बढ़ते दायरे का प्रतीक बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के प्रमुख शिक्षा सहायता कार्यक्रम के तहत इस वर्ष अब तक 1,85,796 स्नातक छात्रों के प्रवेश शुल्क का भुगतान किया जा चुका है। शर्मा ने कहा कि असम में इस वर्ष अब तक 1.85 लाख से अधिक स्नातक छात्रों ने शून्य प्रवेश शुल्क का भुगतान किया है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह दर्शाता है कि हमारी कल्याणकारी योजनाओं का दायरा कितना व्यापक है और यह शिक्षा में निर्बाध निरंतरता सुनिश्चित करके हमारे समाज की नींव को कैसे बदल रहा है। असम सरकार द्वारा छात्रों और उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए शुरू की गई इस योजना के तहत राज्य भर के सरकारी और प्रांतीय संस्थानों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक पात्र छात्रों के लिए प्रवेश शुल्क माफ किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों को प्रवेश शुल्क की चिंता किए बिना उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर को कम करना और कॉलेजों में नामांकन बढ़ाना भी है, विशेष रूप से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में। शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने अक्सर इस बात पर प्रकाश डाला है कि स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद छात्रों द्वारा पढ़ाई छोड़ने के प्रमुख कारणों में से एक वित्तीय बाधाएं हैं। प्रवेश शुल्क समाप्त करके, सरकार गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तक पहुंच में सुधार लाने और युवाओं के लिए अधिक अवसर सृजित करने की उम्मीद करती है। मुख्यमंत्री ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि शिक्षा में निवेश असम की दीर्घकालिक विकास रणनीति का एक महत्वपूर्ण घटक है। राज्य सरकार ने हाल के वर्षों में उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए छात्रवृत्ति, शुल्क माफी और शिक्षण संस्थानों में अवसंरचना विकास सहित कई उपाय किए हैं। लाभार्थियों की नवीनतम संख्या 1.85 लाख से अधिक होने के साथ, सरकार इस कार्यक्रम को असम भर के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखती है।

बड़े पावर ग्रिड विस्तार के साथ ऊर्जा क्षेत्र में सरप्लस बनने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा असम : सीएम

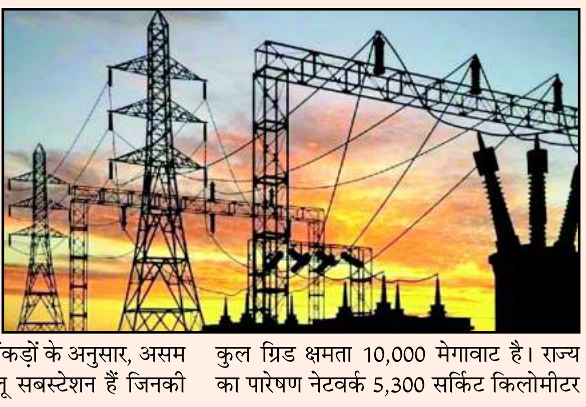

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि सरकार राज्य को ऊर्जा अधिशेष वाला राज्य बनाने के लिए विद्युत क्षेत्र में निवेश तेज कर रही है, साथ ही विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पारेषण और वितरण बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री शर्मा ने असम के विद्युत क्षेत्र में हुई प्रगति पर प्रकाश डाला और राज्य के बिजली नेटवर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से चल रही कई परियोजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम विद्युत क्षेत्र में तेजी से निवेश करके असम को ऊर्जा अधिशेष वाला राज्य बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हम आपके घर तक विश्वसनीय बिजली पहुंचाने के लिए अधिक स्टेशन, अधिक क्षमता और अधिक लाइनें जोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, असम में वर्तमान में 82 चालू सबस्टेशन हैं जिनकी कुल ग्रिड क्षमता 10,000 मेगावाट है। राज्य का पारेषण नेटवर्क 5,300 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) तक विस्तारित हो गया है, जिससे बिजली की निकासी और वितरण क्षमताओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने राज्य के विद्युत अवसंरचना विकास कार्यक्रम के अंतर्गत भविष्य की विस्तार योजनाओं का भी विस्तृत विवरण दिया। आगामी परियोजनाओं के तहत असम भर में 16 नए सबस्टेशन स्थापित करने की योजना है। इन सुविधाओं से ग्रिड क्षमता में अतिरिक्त 6,340 मेगावाट की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे राज्य की विद्युत पारेषण प्रणाली को काफी मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, -शेष पृष्ठ दो पर

16 दिवसीय सत्र के लिए असम विस तैयार, 10 जुलाई को बजट

गुवाहाटी। असम विधानसभा के बजट सत्र के लिए कार्यसूची का अनंतिम कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। बजट सत्र 6 जुलाई को शुरू होगा और 31 जुलाई को समाप्त होगा। बजट सत्र में कुल 16 कार्य दिवस होंगे। वित्त मंत्री जयंता मल्लबरुआ 10 जुलाई को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पूर्ण रूप से तैयार राज्य बजट पेश करेंगे। इस बीच, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को घोषणा की कि आमरी (एसटी) निर्वाचन क्षेत्र से नवोदित भाजपा विधायक डॉ. हब्बी टेरोन उपसभापति पद के लिए सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार होंगे। मुझे यह घोषणा करते -शेष पृष्ठ दो पर

बाहरी मदद वाले प्रोजेक्ट्स के लिए फंड की सीमा बढ़ाने की डॉ. शर्मा ने की वकालत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आग्रह किया कि वे पूर्वोत्तर राज्यों को बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं के माध्यम से अधिक धनराशि उपलब्ध कराने की अनुमति दें, उन्होंने इस क्षेत्र में योजनाओं और परियोजनाओं के असाधारण ट्रैक रिकॉर्ड और ईमानदार कार्यान्वयन का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि अकेले असम में ही 53,000 करोड़ रुपए की ऐसी परियोजनाएं चल रही हैं। असम और पूर्वोत्तर के हमारे सहयोगी राज्यों की ओर से, मैंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से हमारी सरकारों को बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं (ईएपी) के माध्यम से बढ़ी हुई सीमा तक पहुंच प्रदान करने की भावुक अपील की, हमारी योजनाओं और परियोजनाओं के असाधारण ट्रैक रिकॉर्ड और ईमानदार कार्यान्वयन को ध्यान में रखते हुए, शर्मा ने एक्स पर कहा। शिलांग में *पूर्वोत्तर राज्यों में ईएपीएस का लाभ उठाना* विषय पर एक सेमिनार में भाग लेने के बाद, उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सतत कृषि से पूर्वोत्तर बन सकता है भारत की अगली विकास शक्ति : निर्मला

शिलांग (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र सतत कृषि, प्रीमियम जैविक उत्पादों और पर्यावरण-अनुकूल विकास के बल पर भारत की अगली विकास शक्ति बन सकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा और पारंपरिक कृषि पद्धतियां इसे वैश्विक बाजार में विशेष पहचान दिलाने की क्षमता रखती हैं। मेघालय के री-भोई जिले के भोइरिमबोंग में ईस्टर्न री-भोई ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के पूर्वोत्तर के सबसे बड़े ऑर्गेनिक मसाला प्रसंस्करण संयंत्र के उद्घाटन के बाद शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि कृषि का भविष्य केवल अधिक उत्पादन करने वालों का नहीं, बल्कि बेहतर, स्वच्छ, विश्वसनीय और ट्रेस करने योग्य उत्पाद उपलब्ध कराने वालों का होगा। उन्होंने कहा कि मेघालय को जैविक खेती के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान प्राप्त है। राज्य के कृषि -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया का सबसे बड़ा बांध बना रहा चीन असम-अरुणाचल प्रदेश पर होगा बड़ा असर

गुवाहाटी। चीन ने दुनिया के सबसे बड़े पनबिजली बांध का निर्माण शुरू कर दिया है। यह बांध तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी के निचले हिस्से पर बनाया जा रहा है। यह एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है जो अरुणाचल प्रदेश की सीमा से सिर्फ 50 किलोमीटर दूर है। चीनी बांध के जवाब में, भारत *सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट* (एसयूएमपी) को आगे बढ़ा रहा है। यह अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग और सियांग जिलों में सियांग नदी पर प्रस्तावित 11,000 मेगावाट का पनबिजली और बाढ़-नियंत्रण वाला मेगा-बांध है। सरकारी कंपनी एनएचपीसी द्वारा संचालित एसयूएमपी, अगर बन जाता है, तो भारत का सबसे बड़ा पनबिजली प्रोजेक्ट होगा। इससे सालाना लगभग 47 अरब यूनिट बिजली पैदा होने का अनुमान है और इसकी अनुमानित लागत लगभग 13 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपए) होगी। भारत और चीन दोनों के प्रोजेक्ट्स की तुलना करें तो भारत के सामने एक बड़ी चुनौती साफ नजर आ रही है। एक तरफ जहां चीन का 60,000 मेगावाट का मेडोग पनबिजली प्रोजेक्ट पहले से ही बन रहा है, वहीं एसयूएमपी अभी भी शुरुआती चरण में है और निर्माण से पहले की तैयारी भी अभी तक शुरू नहीं हुई है। ऐसी खबरें हैं कि -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
जैसे एक बछड़ा हजारो गायों के झुंड मे अपनी मां के पीछे चलता है। उसी प्रकार आदमी के अच्छे और बुरे कर्म उसके पीछे चलते हैं।
- आचार्य चाणक्य

राज्य में अब बिना यूनिफॉर्म भी स्कूल जा सकेंगे छात्र

गुवाहाटी (हि.स.)। भीषण गर्मी के बीच छात्रों को राहत देने के उद्देश्य से कामरूप जिला शिक्षा अधिकारी ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। निर्देश के अनुसार अब छात्र-छात्राएं बिना स्कूल यूनिफॉर्म पहने भी विद्यालय जा सकेंगे। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि यूनिफॉर्म के नाम पर किसी भी छात्र को विद्यालय आने से नहीं रोका जाएगा और न ही उस पर किसी प्रकार का दबाव या जोर-जुल्म किया जाएगा। बढ़ती गर्मी को देखते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

खत्म हो चुका है ईरान, एक पैसा भी नहीं मिलेगा : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया कि ईरान *खत्म* हो गया है और कसम खाई कि तेहरान को यूनाइटेड स्टेट्स से *एक भी सेंट* यानी एक भी पैसा नहीं मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि युद्ध ने देश की मिलिट्री काबिलियत को तबाह कर दिया है और उसे एयर फोर्स, नेवी या जरूरी डिफेंस सिस्टम के बिना छोड़ दिया है। ट्रुथ सोशल पर कई पोस्ट में, ट्रंप ने राजनीतिक विरोधियों की आलोचना को खारिज किया और कहा कि युद्ध ने ईरान की मिलिट्री ताकत को बहुत कम कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने डेमोक्रेट्स पर भी निशाना साधा, और इस बात का मजाक उड़ाया कि ईरान कुछ महीने पहले की तुलना में ज्यादा मजबूत स्थिति में हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि फिर भी डेमोक्रेट्स कहते हैं कि ईरान अब चार महीने पहले की तुलना में बेहतर -शेष पृष्ठ दो पर

भूस्खलन के कारण असम-मणिपुर सीमा पर 800 ट्रक और टैंकर फंसे

इंफाल। सुरक्षाकर्मियों की कमी और भूस्खलन के कारण मणिपुर और पड़ोसी राज्य असम में 800 से अधिक मालवाहक ट्रक और ईंधन टैंकर फंसे हुए हैं, जिससे राज्य में आने वाले प्रमुख आपूर्ति मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर यातायात बाधित हो गया है। सूत्रों के अनुसार, मणिपुर के जिरिबाम में लगभग 420 ट्रक और टैंकर सुरक्षा एस्कॉर्ट के लिए इंतजार कर रहे हैं, जबकि असम के जिरिघाट में 350 अन्य वाहन फंसे हुए हैं, जिससे इम्फाल और राज्य के अन्य हिस्सों के लिए आवश्यक आपूर्ति का भारी बैकलॉग बन गया है। पिछले दो दिनों में स्थिति और भी खराब हो गई है क्योंकि पहले वाहनों के -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पावागढ़ में पहाड़ी से गिरीं चट्टानें, दो श्रद्धालुओं की मौत

पंचमहल (हि.स.)। गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थस्थल पावागढ़ में शुक्रवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। पहाड़ी स्थित पाटियापुल के समीप अचानक चट्टानें और मलबा गिरने से कई श्रद्धालु इसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में अब तक दो श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है जबकि मलबे में फंसे पांच लोगों को सुरक्षित बाहर -शेष पृष्ठ दो पर

नाइजर एयरपोर्ट में आतंकी हमला, 11 सैनिकों की मौत

नियामी (हि.स.)। नाइजर की राजधानी नियामी में डियोरी हमानी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार तड़के आतंकवादी हमला हुआ है। एयरपोर्ट पर एक घंटे से ज्यादा समय तक धमाके और गोलीबारी होती रही। नाइजर गणराज्य की सैन्य सरकार की शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया कि हमले में 11 सैनिक और 22 आतंकवादी -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार, युवा और उद्योग साथ चलें तो रोजगार सृजन कई गुना बढ़ता है : मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि जब सरकार, युवा और उद्योग एक साथ आगे बढ़ते हैं तो रोजगार सृजन की गति कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) इसी नए भारत की पहचान है, जिसने अब तक करीब 70 लाख रोजगार सृजित किए हैं और पहली बार नौकरी पाने वाले लाखों युवाओं को सामाजिक सुरक्षा का कवच प्रदान किया है। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत करीब 2,400 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित करने के बाद अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि दुनिया आज भारत की युवा शक्ति, प्रतिभा, कौशल और क्षमता को पहचान रही है। हाल ही में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान विकसित देशों के नेताओं के साथ हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत के युवाओं की चर्चा हो रही है और सरकार का प्रयास है कि देश का प्रत्येक युवा अपनी क्षमता को अवसर में बदल सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम-वीबीआरवाई के माध्यम से अब तक करीब 70 लाख नई नौकरियां सृजित हुई हैं -शेष पृष्ठ दो पर

तीन साल में अपराधी को सजा तक पहुंचाने वाली व्यवस्था बनाना लक्ष्य : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को ऐसा प्रभावी माध्यम बनाया जाना चाहिए, जो प्रत्येक नागरिक को संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित कर सके। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के शरीर, संपत्ति या सम्मान से जुड़े अधिकारों का उल्लंघन होता है और वर्षों तक अपराधी को दंड नहीं मिलता, तो ऐसी व्यवस्था न्यायसंगत नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के सरदार वल्लभभाई पटेल सभागार में आयोजित 26वें अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट सम्मेलन-2026 को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि वर्ष 2019 में आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव लाने का अभियान शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य कानूनों को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को जांच प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा बनाना तथा एफआईआर से लेकर अपराधी को दोषसिद्ध कराने तक की प्रक्रिया को तीन वर्ष के भीतर पूरा करना है। उन्होंने कहा कि देश वर्तमान में आपराधिक न्याय प्रणाली के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

उत्तर कोरिया का परमाणु निरस्त्रीकरण ट्रंप प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता : अमेरिकी राजनयिक

सियोल/वॉशिंगटन (हि.स.)। अमेरिकी विदेश विभाग के उप सहायक सचिव डेविड विलेजोल ने कहा है कि उत्तर कोरिया का परमाणु निरस्त्रीकरण ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं में बहुत ऊपर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका की उत्तर कोरिया नीति का केंद्र बिंदु परमाणु निरस्त्रीकरण ही है। दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप न्यूज के अनुसार, जापान, कोरिया और मंगोलिया मामलों के प्रभारी विलेजोल ने ट्राइ फोरम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि यदि उत्तर कोरियाई राष्ट्रपति किम जोंग-उन बातचीत के लिए तैयार होते हैं तो ट्रंप प्रशासन भी वार्ता के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ताकत के जरिए शांति की नीति जारी रखेगा और उत्तर कोरिया पर प्रतिबंधों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ उसके साइबर अपराधों और क्रिप्टो करेंसी चोरी जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सहयोगियों के साथ काम करेगा। गौरतलब है कि, ट्राइफोरम एक गैर-लाभकारी संगठन है जो दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के बीच त्रिपक्षीय सहयोग को बढ़ाने का प्रयास करता है। विलेजोल ने बताया कि पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई थी और इस सप्ताह फ्रांस में जी-7 देशों के नेताओं ने भी ऐसा ही किया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब उत्तर कोरिया लगातार अपने परमाणु कार्यक्रम का विस्तार कर रहा है और अपने परमाणु दर्जे को *अपरिवर्तनीय* बता रहा है। किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने भी जी-7 देशों द्वारा दोहराई गई परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग को खारिज करते हुए इसे ऐसी लक्ष्मण रेखा बताया जिसे पार नहीं किया जा सकता। विलेजोल ने दक्षिण कोरिया को युद्धकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल (ऑपकॉन) सौंपने के मुद्दे पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस विषय पर अमेरिका अपनी सैन्य नेतृत्व की राय को विशेष महत्व देगा और प्रक्रिया को सोच-समझकर और सावधानी से आगे बढ़ाया जाएगा। विलेजोल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब सियोल को उम्मीद है कि वह जल्द ही, शायद 2028 के अंत से पहले, युद्ध के समय का ऑपकॉन वापस ले लेगा। हालांकि, यूएस फोर्सेज कोरिया (यूएसएफके) के कमांडर जनरल जेवियर ब्रंसन ने हाउस की सुनवाई में कहा है कि दोनों सहयोगी देशों का लक्ष्य 2029 की पहली तिमाही तक जरूरी शर्तें पूरी करना है। दक्षिण कोरिया ने 1950-53 के कोरियाई युद्ध के दौरान अपनी सेना का ऑपरेशनल कंट्रोल अमेरिका के नेतृत्व वाली संयुक्त राष्ट्र कमांड को सौंप दिया था। बाद में, 1978 में जब सहयोगी देशों की *कंबाइंड फोर्सेज कमांड* शुरू हुई तो इसे उस कमांड को सौंप दिया गया। सियोल ने 1994 में शांति के समय का ऑपकॉन वापस ले लिया था लेकिन युद्ध के समय का ऑपकॉन अभी भी अमेरिका के हाथों में है। अमेरिकी कंपनियों के लिए दक्षिण कोरिया के कारोबारी माहौल पर टिप्पणी करते हुए विलेजोल ने कहा कि अमेरिकी कंपनियों के साथ कभी-कभी होने वाले भेदभावपूर्ण व्यवहार को लेकर अभी और काम करने की जरूरत है लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सियोल और वॉशिंगटन के रिश्ते बहुत मजबूत हैं। जाहिर है, यह ई-कॉमर्स कंपनी *कूपैंग इंक* के मामले का जिक्र कर रहे थे, जो दक्षिण कोरिया में बड़े पैमाने पर डेटा लीक होने के बाद जांच के दायरे में आ गई थी।

पासपोर्ट सेवा तेज, सुलभ और वास्तव में लोकतांत्रिक बन चुकी है : विदेश मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारियों के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि आज पासपोर्ट सेवा तेज, सुलभ और वास्तव में लोकतांत्रिक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि विश्वभर में भारतीय प्रतिभा की मांग और प्रतिष्ठा तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में सुगम और प्रभावी पासपोर्ट सेवाएं एक समृद्ध, वैश्विक रूप से जुड़े विकसित भारत की महत्वपूर्ण आधारशिला बनेंगी। जयशंकर ने कहा कि भारत की विदेश नीति देश को *विश्व बंधु* के रूप में स्थापित कर रही है। इसके कारण भारतीय पासपोर्ट को दुनिया भर में सम्मान और विश्वास के साथ देखा जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पासपोर्ट प्राप्त करना संघर्ष का विषय नहीं बल्कि नागरिकों का अधिकार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में पासपोर्ट जारी करने का आंकड़ा 138 लाख से अधिक पहुंच गया है। यह भारतीय नागरिकों की बढ़ती आकांक्षाओं और वैश्विक अवसरों की ओर उनके बढ़ते कदमों को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में देशभर में केवल 77 पासपोर्ट सेवा केंद्र थे और वार्षिक पासपोर्ट जारी करने की संख्या 83 लाख थी। सरकार के व्यापक विस्तार अभियान के परिणामस्वरूप अब 544 कार्यरत केंद्र स्थापित हो चुके हैं। इनमें 93 पासपोर्ट सेवा केंद्र और 454 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र शामिल हैं। जयशंकर ने कहा कि पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम संस्करण 2.0 ने विकसित भारत के लिए वैश्विक गतिशीलता को नई परिभाषा दी है। उनके अनुसार पासपोर्ट केवल यात्रा दस्तावेज नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और राष्ट्रीय पहचान का महत्वपूर्ण साधन है।

अमृतसर में बीएसएफ ने एके-47 समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद किए

अमृतसर (हिंस)। सीमावर्ती जिला अमृतसर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने हथियारों का भारी जखीरा बरामद किया है। बीएसएफ की 117 बटालियन ने खुफिया सूचना के आधार पर अजनाला क्षेत्र के गांव हरड़ खुर्द के पास एक भारतीय नागरिक को हिरासत में लिया, जिसकी निशानदेही पर यह हथियार बरामद किए गए। बीएसएफ के अनुसार गुरुवार रात एक विशेष खुफिया सूचना मिलने के बाद अमृतसर ग्रामीण के थाना अजनाला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव हरड़ खुर्द में तलाशी अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने एक ऐके-47 राइफल, 25 पिस्तौल, 47 पिस्तौल मैगजीन, एक बुलेटप्रूफ जैकेट तथा 368 जिंदा कारतूस बरामद किए। बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक हिरासत में लिए गए व्यक्ति से गहन पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इन हथियारों को किस उद्देश्य से इकट्ठा किया गया था और इसके पीछे कौन-सा नेटवर्क सक्रिय है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस संबंध में कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अपहृत व्यक्ति को बचाया, नौ उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अपहृत व्यक्ति को सुरक्षित मुक्त कराया तथा विभिन्न उग्रवादी संगठनों से जुड़े नौ सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, तेंगनौपाल जिले के मोरेह थाना क्षेत्र के गेट नंबर-1 इलाके से सुरक्षा बलों ने गुरुवार नगामसोम बैते (50) को सुरक्षित बरामद किया। बी. बोंगजांग गांव निवासी बैते का कथित तौर पर पीएसएच के संदिग्ध उग्रवादियों ने अपहरण कर लिया था। बचाव अभियान के बाद उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के विभिन्न स्थानों से केसीपी (एमएफएल) के चार सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोइरांगथेम तोंडोम्बा सिंह उर्फ टोमे (44), वाहेंखाम इनाओ सिंह उर्फ जैक (46), नोंगमैथेम डेविड मैतेई (42) और माईबाम लोकेंद्र सिंह (38) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार ये उग्रवादी रंगदारी वसूली और अवैध हथियार आपूर्ति के नेटवर्क में शामिल थे। वहीं, मणिपुर पुलिस ने इंफाल पूर्व जिले से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के चार सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया। इन पर इंफाल पूर्व के विभिन्न इलाकों में, जिसमें ब्रह्मपुर नहाबाम बामोन लैकाई स्थित एक आवास भी शामिल है, हैंड ग्रेनेड रखने का आरोप है। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान हुइड्रोम पालिनबा सिंह उर्फ नानाओ (19), पेबाम रोशन सिंह (18), नामेइराकपाम जिल्सोन मैतेई (19) और माइमोम लेम्बा मैतेई (28) के रूप में हुई है। इसके अलावा एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के मोइरांग थाना क्षेत्र से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के सक्रिय कैडर हेमाम लाइगम मैतेई उर्फ नगाम्बा (33) को गिरफ्तार किया। एक अन्य अभियान में 16 जून को आरपीएफ/पीएलए के सक्रिय सदस्य अराम्बाम सनायाइमा मैतेई उर्फ अली (48) को इंफाल पूर्व जिले के लामलाई थाना क्षेत्र अंतर्गत कांगला संगोमशांग आवांग लैकाई से गिरफ्तार किया गया।

ठाकरे गुट को एक और झटका, शिवसेना नेता का दावा-

सांसदों के बाद अब विधायक भी बदलेंगे पाला

मुंबई। ठाकरे गुट की शिवसेना के छह सांसदों द्वारा बगावत कर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में जाने का फैसला करने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। *ऑपरेशन टाइगर* की सफलता के बाद अब ठाकरे गुट के कुछ विधायक भी शिंदे गुट के संपर्क में हैं और मानसून सत्र शुरू होने से पहले राज्य में बड़ी राजनीतिक भूचाल आ सकता है, ऐसा दावा शिंदे गुट के शिवसेना विधायक बच्चू कडू ने किया है। बच्चू कडू ने एकनाथ शिंदे की राजनीतिक रणनीति की सराहना करते हुए कहा कि सांसद आ चुके हैं, अब कुछ विधायकों के भी आने की संभावना है। शिंदे साहब की प्लानिंग बिल्कुल सटीक है। जो नेता और जनप्रतिनिधि भविष्य की राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हैं, वे अपने फैसले ले रहे हैं। इस बीच, शिंदे गुट के नेताओं ने पहले भी दावा किया था कि ठाकरे गुट के कई सांसद और विधायक उनके संपर्क में हैं। इतना ही नहीं, ठाकरे गुट के 16 विधायकों के संपर्क में होने का दावा भी शिंदे गुट की ओर से किया गया था। पिछले कुछ दिनों से ऑपरेशन टाइगर की चर्चा महाराष्ट्र की राजनीति में जोर-शोर से हो रही है। खबरें हैं कि ठाकरे गुट के छह सांसदों ने अलग समूह बनाकर आगे चलकर शिंदे की शिवसेना में शामिल होने की तैयारी दिखाई है। इन घटनाक्रमों के बाद लोकसभा में शिंदे गुट की ताकत बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक गलियारों में इस पूरी प्रक्रिया को ऑपरेशन टाइगर का नाम दिया गया है और इसे ठाकरे गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इन राजनीतिक घटनाओं के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों की बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि पार्टी के भीतर असंतोष और संभावित टूट की चर्चाओं को रोकने के लिए यह बैठक अहम साबित हो सकती है। वहीं, सांसदों की बगावत पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय राउत ने बागी सांसदों पर गंभीर आरोप लगाए हैं और शिंदे गुट की कड़ी आलोचना की है। एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद शिवसेना में यह दूसरी बड़ी राजनीतिक टूट मानी जा रही है। यदि सांसदों के बाद विधायक भी शिंदे गुट में शामिल होते हैं, तो ठाकरे गुट के सामने संगठनात्मक स्तर पर बड़ी चुनौती खड़ी हो सकती है। हालांकि, विधायकों के संभावित प्रवेश को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में मानसून सत्र से पहले होने वाली राजनीतिक गतिविधियों पर पूरे महाराष्ट्र की नजरें टिकी हुई हैं।

पृष्ठ एक का शेष

बड़े पावर ग्रिड विस्तार...

सरकार 957 सीकेएम (लगभग 10 किमी) नई ट्रांसमिशन लाइनें चालू करने की तैयारी कर रही है, जिससे उत्पादन स्रोतों और मांग केंद्रों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करने में मदद मिलेगी और ट्रांसमिशन संबंधी बाधाएं कम होंगी। राज्य सरकार औद्योगिक विकास, शहरीकरण और ग्रामीण विद्युतीकरण के विस्तार से प्रेरित बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए बिजली अवसंरचना के आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि असम के दीर्घकालिक आर्थिक विकास लक्ष्यों को साकार करने के लिए बेहतर पारेषण क्षमता और ग्रिड की विश्वसनीयता में सुधार आवश्यक है। यह नवीनतम घोषणा सरकार के औद्योगिक निवेश आकर्षित करने और मजबूत बुनियादी ढांचे और निर्बाध बिजली आपूर्ति के समर्थन से असम को पूर्वोत्तर में एक प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित करने के व्यापक प्रयासों के बीच आई है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि चल रही परियोजनाओं का उद्देश्य राज्य भर के घरों, व्यवसायों और उद्योगों को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बिजली सेवाएं प्रदान करना है।

16 दिवसीय सत्र के ...

हुए खुशी हो रही है कि अमरी (एसटी) से माननीय विधायक डॉ. हब्बे टेरोन असम विधानसभा के उपाध्यक्ष पद के लिए हमारे उम्मीदवार होंगे, शर्मा ने एक्स पर पोस्ट किया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि चिकित्सा पेशे से संपन्न और नवगठित अमरी निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए पहले प्रतिनिधि डॉ. टेरोन हमारे आदिवासी समुदायों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं और विधायी प्रक्रिया में कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ की आवाज को और मजबूत करेंगे। मैं डॉ. टेरोन को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। अमरी (एसटी) निर्वाचन क्षेत्र पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले में स्थित है। हाल ही में हुए चुनावों में तेरोन ने इस निर्वाचन क्षेत्र से अपने निकटतम निर्दलीय प्रतिद्वंद्वी बिक्रम हंसे को 23,910 वोटों से हराकर जीत हासिल की थी। बजट सत्र के दौरान उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होने की संभावना है। भाजपा नेता रणजीत कुमार दास पिछले महीने असम विधानसभा की 16वीं बैठक के उद्घाटन सत्र के दौरान अध्यक्ष चुने गए थे। इस साल के चुनावों में सत्ताधारी गठबंधन ने भारी जीत हासिल करते हुए, 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटें जीतीं। एनडीए के घटक दलों में भाजपा ने 82 सीटें जीतीं, जो असम में उसका अब तक का सबसे अधिक बहुमत है, जबकि एजीपी और बीपीएफ को 10-10 सीटें मिलीं।

बाहरी मदद वाले प्रोजेक्ट्स ...

में, बहुपक्षीय वित्तीय एजेंसियों द्वारा समर्थित इन परियोजनाओं ने असम को कई मेगा परिवर्तनकारी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए सशक्त बनाया है, जिन्हें शुरू में पूंजी की उच्च लागत के कारण अव्यवहार्य माना जाता था। शर्मा ने कहा कि वर्तमान में, अकेले असम में ही पुलों और तटबंधों के निर्माण, अस्पतालों, रोबोटिक्स, मेगा पावर और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे क्षेत्रों में 53,000 करोड़ रुपए की ऐसी परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह कहने की जरूरत नहीं है कि बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाएं हमारी सरकारी व्यवस्था में जीवंत परियोजना प्रबंधन कौशल और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को भी लाती हैं। शर्मा ने कहा कि संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र इस तरह की परियोजनाओं के कार्यान्वयन में सहयोग और योजना में सुधार के लिए एक उत्कृष्ट मंच था। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि शर्मा ने असम के परिवर्तनकारी विकास को उजागर किया। शर्मा ने ईएपी द्वारा वित्त पोषित लोअर कोपिली जलविद्युत परियोजना के मात्र साढ़े तीन वर्षों में सफलतापूर्वक पूर्ण होने का उदाहरण दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने गुवाहाटी में कुमार भास्कर वर्मा सेतु और निर्माणाधीन धुबरी-फुलबारी पुल जैसी परियोजनाओं का भी उल्लेख किया, जो राज्य की मजबूत विकास गति और बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं के प्रभावी उपयोग के उदाहरण हैं।

सतत कृषि से पूर्वोत्तर बन...

उत्पादों और पारंपरिक खेती पर उपभोक्ताओं का भरोसा लगातार बढ़ रहा है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इन्हें बेहतर मूल्य मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दुनिया ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है जहां विश्वास स्वयं एक मूल्यवान संपत्ति बन चुका है और मेघालय इस दृष्टि से अत्यंत मजबूत स्थिति में है। सीतारमण ने कहा कि मेघालय की बढ़ती मसाला अर्थव्यवस्था यह साबित करती है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास की प्रक्रिया प्रकृति की कीमत पर नहीं होनी चाहिए और मानव समाज को प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर आगे बढ़ना होगा। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि *विकसित भारत* के निर्माण में देश के प्रत्येक क्षेत्र और समुदाय की भागीदारी आवश्यक है। उनके अनुसार, पूर्वोत्तर इस राष्ट्रीय विकास यात्रा में केंद्रीय भूमिका निभाएगा और भविष्य में देश का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है। वित्त मंत्री ने कहा कि बेहतर प्रसंस्करण सुविधाएं और मजबूत उत्पादक सहकारी संस्थाएं किसानों, विशेषकर पारंपरिक कृषि से जुड़ी महिलाओं को अधिक लाभ दिलाने में सहायक होंगी। इससे स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी। नवनिर्मित मसाला प्रसंस्करण संयंत्र से लाकाडोंग हल्दी, अदरक और काली मिर्च जैसी फसलों के उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा। यह परियोजना राज्य के जैविक कृषि तंत्र को मजबूत करने, कृषि निर्यात बढ़ाने तथा क्षेत्र में टिकाऊ आजीविका के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

दुनिया का सबसे बड़ा...

चीन का प्रस्तावित प्रोजेक्ट एसयूएमपी की क्षमता से कहीं ज्यादा बड़ा है। भारत अब अपनी रणनीतिक प्रतिक्रिया को तेज करने की कोशिश कर रहा है और साथ ही विवादित नदी पर बीजिंग की हर हरकत पर बारीकी से नजर रख रहा है। यारलुंग त्सांगपो नदी, जो भारत में सियांग नदी के रूप में प्रवेश करती है और बाद में ब्रह्मपुत्र बन जाती है, अरुणाचल प्रदेश और असम में लाखों लोगों के लिए जीवन रेखा है। विशेषज्ञों का कहना है कि नदी के ऊपरी हिस्से में इतने बड़े पैमाने पर बांध बनने से पानी का बहाव पूरी तरह बदल सकता है। स्थानीय इकोसिस्टम बर्बाद हो सकता है, खेती पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके साथ ही निचले इलाकों में भयानक और अप्रत्याशित बाढ़ आ सकती है। लोकसभा में एक औपचारिक लिखित जवाब में, केंद्र सरकार ने पुष्टि करते हुए बताया कि ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन से जुड़ी सभी गतिविधियों, जिसमें पनबिजली के लिए चीन की योजनाएं भी शामिल हैं, पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। सरकार ने निचले इलाकों में लोगों की जान और आजीविका की सुरक्षा के लिए जरूरी एहतियाती और सुधारात्मक उपाय करने का वादा भी किया।

राज्य में अब बिना ...

विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है। शिक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह निर्देश केवल सरकारी विद्यालयों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निजी विद्यालयों को भी इसका पालन करना होगा। सभी शैक्षणिक संस्थानों को आदेश का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि असम में पहली बार इस प्रकार की व्यवस्था लागू की गई है। अभिभावकों और छात्रों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे विद्यार्थियों के हित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया है।

खत्म हो चुका है ...

स्थिति में हैं। क्या आप सोच सकते हैं कि वे इससे बच निकलेंगे? कुछ लोग कितने बेवकूफ हो सकते हैं? ट्रंप ने आगे कहा कि लड़ाई के बाद तेहरान ने, न कि वॉशिंगटन ने, बातचीत की कोशिश की थी। उन्होंने लिखा कि हम हताशा में नहीं मिले, ईरान मिला। वे खत्म हो गए हैं! डिप्लोमैटिक कोशिशें जारी रहने पर उन्होंने सख्त रुख अपनाने का इशारा दिया। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स अपनी मौजूदा टाइमलाइन पर ही चलेगा और तेहरान को कोई फाइनेंशियल राहत नहीं देगा। ट्रंप ने कहा कि हम 60 दिन खेलेंगे। उन्हें कोई पैसा नहीं मिलेगा, दस सेंट भी नहीं! यह बात ईरान की मिलिट्री क्षमताओं पर लड़ाई के असर और वॉशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत के भविष्य पर चल रही बहस के बीच आई है। ट्रंप की बातें उनके एडमिनिस्ट्रेशन की इस बात पर भी जोर देती हैं कि ईरान पर दबाव डालने से नतीजे मिले हैं, जबकि आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि क्या इस स्ट्रैटेजी से कोई पक्का समझौता हो सकता है। बुधवार शाम को, ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इलेक्ट्रॉनिक तरीके से एक 14-पॉइंट मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किए। इसका मकसद 28 फरवरी को अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुए जंग को खत्म करना है। मेमोरेंडम के तहत, वॉशिंगटन और तेहरान के बीच 60 दिनों तक बातचीत करने की उम्मीद है, जिसे बढ़ाया भी जा सकता है, ताकि ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और इंटरनेशनल बैन पर आखिरी समझौते पर पहुंचा जा सके। डील की शर्तों के तहत, ईरान स्ट्रेटेजिक रूप से जरूरी होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत फिर से खोल देगा, जबकि अमेरिका अपनी नेवल नाकाबंदी हटा देगा, ऐसा पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया, जिन्होंने मीडिएटर के तौर पर भी इस डॉक्यूमेंट पर साइन किए थे।

भूस्खलन के कारण ...

जमावड़े को हटाने के लिए सुरक्षा काफिलों की संख्या बढ़ाने के प्रयास किए गए थे, लेकिन अब तक केवल एक ही सुरक्षा काफिला उपलब्ध कराया गया है। प्रत्येक काफिला लगभग 150 वाहनों को सुरक्षा प्रदान कर सकता है, जिससे मणिपुर में ईंधन और माल की आवाजाही काफी धीमी हो गई है। चालकों ने सुरक्षाकर्मियों की सीमित तैनाती को देरी का कारण बताया। फिलहाल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की नौ कंपनियां इस मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था में लगी हुई हैं। ट्रांसपोर्टरों और चालकों ने अधिकारियों से सुरक्षा तैनाती बढ़ाने और भीड़भाड़ कम करने के लिए प्रतिदिन कम से कम दो या तीन काफिलों को अनुमति देने की अपील की है। हाल ही में हुए भूस्खलन ने स्थिति को और भी जटिल बना दिया है, जिससे एनएच-37 के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, विशेष रूप से बराक और सिबिलोंग के बीच और इरंग पुल के पास का क्षेत्र। इस क्षति के कारण यातायात बाधित हुआ है और यात्रा का समय बढ़ गया है, कुछ वाहनों को इम्फाल तक की यात्रा पूरी करने में कई दिन लग रहे हैं। इम्फाल-जिरिबाम मार्ग फिलहाल सुरक्षा घेरे में चलने वाले वाहनों के लिए एकमात्र उपलब्ध मार्ग है। वैकल्पिक इम्फाल-दिमापुर राजमार्ग हिंसा और हमलों की घटनाओं के बाद कई हफ्तों से बाधित है, जिसके चलते एनएच-37 राज्य की महत्वपूर्ण आपूर्ति रेखा बन गया है। चालकों और परिवहन संचालकों ने मणिपुर सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से राजमार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत में तेजी लाने और आवश्यक वस्तुओं के परिवहन में और देरी को रोकने के लिए सुरक्षाकर्मियों के काफिले की आवृत्ति बढ़ाने का आग्रह किया है। इस सप्ताह की शुरुआत में, ईंधन टैंकरों और मालवाहक वाहनों सहित 174 वाहनों का एक काफिला सुरक्षा घेरे में जिरीबाम से इम्फाल के लिए रवाना हुआ। इस काफिले में 20 पेट्रोल टैंकर, 19 डीजल टैंकर, 11 बहु-कम्पार्टमेंट ईंधन टैंकर, चार विमानन टरबाइन ईंधन टैंकर, 25 एलपीजी टैंकर, दो एसके ऑयल ट्रक और राज्य में आवश्यक आपूर्ति ले जा रहे 103 मालवाहक वाहन शामिल थे।

सरकार, युवा और उद्योग ...

और लगभग 70 लाख प्रथम बार रोजगार पाने वाले युवाओं को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ा गया है। करीब 20 लाख युवा अपनी पहली नौकरी में छह महीने पूरे कर चुके हैं, जिनमें से लगभग 10 लाख युवाओं को प्रोत्साहन राशि के रूप में 2,000 करोड़ रुपए से अधिक सीधे उनके बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि युवाओं के परिश्रम का सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य पर देश के विश्वास की अभिव्यक्ति है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि पहली नौकरी पाने वाले युवाओं के सपनों को शक्ति देने और युवाओं तथा उद्योगों के बीच मजबूत सेतु का काम करने वाली पहल है। मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और विकसित भारत का सपना देश के युवाओं के सपनों, कौशल और क्षमताओं पर निर्भर करता है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि प्रतिभाशाली युवाओं को अवसर मिलें, नवाचार करने वालों को मंच मिले और उद्यम शुरू करने वालों को हर संभव सहयोग प्राप्त हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में सरकार की नीतियों और निर्णयों ने रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं। 12 लाख करोड़ रुपए से अधिक का बुनियादी ढांचा निवेश लाखों युवाओं के लिए रोजगार की नींव रख रहा है, जबकि मुद्रा योजना के तहत 33 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सहायता ने करोड़ों लोगों को अपना व्यवसाय शुरू करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और तीन करोड़ से अधिक महिलाएं *लखपति दीदी* बन चुकी हैं। वहीं देश में स्टार्टअप की संख्या 500 से बढ़कर दो लाख से अधिक हो गई है और अब हर जिले में स्टार्टअप संस्कृति विकसित हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भविष्य की अर्थव्यवस्था की तैयारी कर रही है, जबकि भारत भविष्य की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकार युवाओं को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार करने में जुटी है और 21वीं सदी में वही देश आगे बढ़ेंगे जो कौशल, नवाचार और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि पीएम विकसित भारत रोजगार योजना एक ऐसे भारत के निर्माण का माध्यम है जहां युवाओं को अवसर, उद्योगों को प्रोत्साहन और रोजगार सृजन को राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप मिले।

तीन साल में अपराधी को...

परिवर्तन काल से गुजर रहा है। पहले थाना केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का माध्यम माना जाता था, लेकिन समय के साथ उसकी भूमिका अपराध नियंत्रण और जांच-पड़ताल तक विस्तारित हुई। अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरी न्याय प्रणाली नागरिकों के अधिकारों की रक्षा का प्रभावी साधन बने। गृहमंत्री ने राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस) की सराहना करते हुए कहा कि इसके जरिए कई जटिल मामलों को सुलझाने में सफलता मिली है, लेकिन इसका उपयोग अभी भी संभावित क्षमता का केवल 10 प्रतिशत ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि एनएएफआईएस केवल अपराधियों की पहचान करने का साधन नहीं है, बल्कि हर अपराध स्थल से प्राप्त फिंगरप्रिंट को प्रणाली में जोड़कर इसके डेटाबेस को समृद्ध करना भी उतना ही आवश्यक है। शाह ने कहा कि प्रशिक्षण केवल एप्लिकेशन के उपयोग तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि वैज्ञानिक साक्ष्य तैयार करने, चार्जशीट दाखिल करने, अभियोजन और न्यायपालिका तक पूरी प्रक्रिया को तकनीक आधारित बनाने की दिशा में होना चाहिए। जब फिंगरप्रिंट, डीएनए, चेहरे और टेलीफोन रिकॉर्ड जैसे वैज्ञानिक साक्ष्य उपलब्ध हों, तो अनावश्यक रूप से बड़ी संख्या में अतिरिक्त साक्ष्य जुटाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जांच, अभियोजन और दोषसिद्धि की पूरी श्रृंखला में तकनीक के सक्रिय उपयोग के लिए समन्वित प्रयास जरूरी हैं। इसी उद्देश्य से नए आपराधिक कानूनों में न्यायपालिका और अभियोजन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कई प्रावधान शामिल किए गए हैं। गृहमंत्री ने बताया कि सभी राज्य सरकारों और पुलिस बलों के सहयोग से अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क प्रणाली (सीसीटीएनएस) का शत-प्रतिशत विस्तार हो चुका है। देश के सभी 17,840 पुलिस थानों को इससे जोड़ा जा चुका है और 37.86 करोड़ एफआईआर का डेटा, जिसमें पुराना रिकॉर्ड भी शामिल है, उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि ई-कोर्ट प्रणाली से 22 हजार अदालतें जुड़ चुकी हैं, जबकि ई-प्रिजन में 2.70 करोड़ से अधिक रिकॉर्ड उपलब्ध हैं। इसके अलावा ई-फॉरेंसिक प्रणाली में 34.48 लाख मामलों का फॉरेंसिक डेटा और 43.16 लाख अपराध अलर्ट का डेटा उपलब्ध है। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के बिना देश में प्रभावी अपराध नियंत्रण संभव नहीं है। उन्होंने एनसीआरबी के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले समय में उनकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने वाली है। उन्होंने फिंगरप्रिंट ब्यूरो को भी आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत बनाने का एक महत्वपूर्ण उपकरण बताया।

पावागढ़ में पहाड़ी ...

निकाल लिया गया है। बताया जा रहा है कि मानसून की शुरुआती बारिश के बीच पावागढ़ पहाड़ी पर पानी का तेज बहाव था। इसी दौरान पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर और मलबा खिसककर नीचे आ गया। उस समय पाटियापुल के पास से गुजर रहे श्रद्धालु अचानक आए मलबे की चपेट में आ गए। इसके कारण मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। स्थानीय सरपंच पति रवि गड़वी ने बताया कि हादसे की सूचना पर पावागढ़ रोप-वे की इमरजेंसी रेस्क्यू टीम और हालोल फायर विभाग की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने बताया कि मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए युद्धस्तर पर अभियान चलाया गया। फायर विभाग की टीम ने पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए हालोल रेफरल अस्पताल पहुंचाया जबकि दो श्रद्धालुओं की मौत हो गयी। स्थानीय सरपंच पति रवि गड़वी ने बताया कि सूचना पर पुलिस का दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य तेज गति से संचालित किया गया। इसके बाद मलबे में फंसे पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में मौसम में बदलाव और रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। इस दर्दनाक हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

नाइजर एयरपोर्ट में ...

मारे गए। अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्र *प्रीमियर टाइम्स* नाइजीरिया की रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में दो आम नागरिकों की भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह गोलीबारी एयरपोर्ट के मुख्य प्रवेश द्वार के पास शुरू हुई। इसके बाद सुरक्षा बलों को सारे परिसर को घेर लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सेना की घेराबंदी के बाद आतंकवादी इधर-उधर भागने लगे। नाइजर की सेना ने दहशतगर्दों का पीछा किया। भागते समय आतंकवादी हथियारों का जखीरा वहीं छोड़ गए थे। अभी तक किसी भी समूह ने एयरपोर्ट पर हुए इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इसी साल जनवरी में इसी एयरपोर्ट पर ऐसी ही एक घटना हो चुकी है। इस्लामिक स्टेट इन द साहेल से जुड़े हथियारबंद आतंकवादियों ने मोर्टार और ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए कई तरफ से हमला किया था। उन्होंने नागरिक टर्मिनल और उससे सटे एयर बेस 101, दोनों को निशाना बनाया था। यह एयर बेस देश के सैन्य अभियानों के लिए एक अहम रणनीतिक केंद्र है। जनवरी के हमले में नाइजर की सेना के साथ रूसी अफ्रीका कॉर्प्स के लड़ाके भी थे। उन्होंने कई आतंकवादियों को मार गिराते हुए कुछ जीवित पकड़ लिया था। इस हमले में रनवे, सैन्य वाहनों और कमर्शियल विमानों को भी भारी नुकसान पहुंचाया। नाइजर एक दशक से ज्यादा समय से संगठित इस्लामी उग्रवादी विद्रोह का सामना कर रहा है। अपने पड़ोसी देशों माली और बुर्किना फासो की तरह नाइजर में भी सैन्य शासन है। इस सैन्य सरकार ने व्यापक क्षेत्रीय हिंसा को निर्णायक रूप से खत्म करने का वादा करते हुए सत्ता पर कब्जा किया था। नाइजर हिंसक चरमपंथ के खिलाफ एक जटिल और कई मोर्चों पर लड़ी जा रही लड़ाई के केंद्र में है। चरमपंथ ने 2010 के दशक के मध्य से ही पूरे साहेल क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। इस समय नाइजर को अलग-अलग तरह के विद्रोही समूहों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम में (माली और बुर्किना फासो की सीमाओं के पास), यह आईएस-साहेल और अल-कायदा से जुड़े जेएनआईएम से लड़ रहा है।

कामरूप (मेट्रो) में राष्ट्रीय सिकल सेल दिवस मनाया गया

गुवाहाटी (हिंस)। समूचे राज्य के साथ-साथ कामरूप (मेट्रो) जिले में भी आज राष्ट्रीय सिकल सेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में सिकल सेल रोग की जांच तथा आवश्यक परामर्श की व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त, आम जनता के बीच सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता सभाओं का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रमों में रोग की शीघ्र पहचान, समय पर उपचार प्राप्त करने तथा नियमित स्वास्थ्य निगरानी के महत्व पर विशेष बल दिया गया। साथ ही सिकल सेल रोग के लक्षणों, इसकी रोकथाम एवं प्रबंधन के संबंध में भी लोगों को जानकारी दी गई। आयोजित कार्यक्रमों में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता तथा स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सिकल सेल रोग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को इसके बारे में सही जानकारी उपलब्ध कराना था।

अंबुवासी मेला : व्यापक व्यवस्थाओं से श्रद्धालुओं को मिल रहा सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि सृष्टि की मूल शक्ति, मातृशक्ति की उपासना और प्रकृति की चिरंतन उर्वरता के प्रतीक अंबुवासी महोत्सव का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। जनमान्यता के अनुसार इस अवधि में आदिशक्ति मां कामाख्या ऋतुमती होती हैं, जिससे समस्त सृष्टि में शक्ति का नया जागरण होता है। इसी कारण अंबुवासी केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि नारीशक्ति, सृजनशीलता, सहनशीलता और जीवन की निरंतरता का उत्सव भी है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता डॉ. अंकिता दत्ता ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा है कि विश्वप्रसिद्ध शक्तिपीठ कामाख्या मंदिर में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में देश-विदेश से लाखों साधु-संत, तांत्रिक, शोधकर्ता, पर्यटक और श्रद्धालु पहुंचते हैं। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में अंबुवासी मेले का विशेष स्थान है और इस आयोजन ने असम को वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम सरकार ने इस वर्ष मेले को अधिक सुव्यवस्थित, स्वच्छ,

सुरक्षित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने हेतु अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकार के विभिन्न विभाग दिन-रात समन्वित रूप से कार्य कर रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस वर्ष लगभग आठ लाख श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान है। इसे ध्यान में रखते हुए शुद्ध पेयजल, अस्थायी शौचालय, स्नानागार, विश्राम शिविर, चिकित्सा केंद्र, एम्बुलेंस सेवा, सूचना एवं सहायता केंद्रों की व्यापक व्यवस्था की गई है। मेले के दौरान सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए असम पुलिस, यातायात पुलिस, गृह रक्षक बल तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए विशेष बस सेवाएं, यातायात नियंत्रण व्यवस्था और मार्गदर्शन सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त कामाख्या रेलवे स्टेशन, पांडु जहाज घाट और नहरनीबाड़ी में तीन सहायता शिविर स्थापित किए गए हैं। वृद्धजनों और दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। वहीं, कामाख्या मंदिर के पाददेश से मंदिर तक पूरे मार्ग पर कालीन बिछाए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को आने-जाने में सुविधा हो। मंदिर तक बस सेवा शुरू किए जाने से भी यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। असम सरकार ने कहा है कि अंबुवासी मेला असम तथा भारतीय सभ्यता का गौरव है। इस महोत्सव के माध्यम से देश और दुनिया के लोग असम की आध्यात्मिक महिमा, सांस्कृतिक समृद्धि और अतिथि सत्कार की परंपरा को निकट से देखने और अनुभव करने का अवसर प्राप्त करते हैं।

ट्रांसफॉर्मर के संपर्क में आने से जंगली हाथी की मौत

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के चारिदुआर इलाके में बीती रात बिजली का झटका लगने से एक जंगली हाथी की मौत हो गई। लोगों के अनुसार, हाथी बीती रात में भोजन की तलाश में बालीपारा रिजर्व फॉरेस्ट से भटककर बाहर आ गया था और चारीद्वार में एक बिजली के ट्रांसफॉर्मर के संपर्क में आ गया। बताया जा रहा है कि वन्य जीव को जोरदार बिजली का झटका लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी सुबह मौके पर पहुंचे और जरूरी कार्रवाई शुरू की। बिजली का झटका लगने की असल वजहों की जांच की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर जंगल से सटे इलाकों में इंसानों और हाथियों के बीच बढ़ते टकराव को उजागर किया है, जहां हाथी अक्सर खाने की तलाश में इंसानी बस्तियों में आ जाते हैं।

नाजिरा में पिंजरे में कैद हुआ विशाल तेंदुआ, ग्रामीणों में अब भी दहशत

शिवसागर (हिंस)। नाजिरा के गढ़आली क्षेत्र में गुरुवार देर रात वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक विशाल तेंदुआ कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने से स्थानीय लोगों को कुछ राहत मिली है, हालांकि क्षेत्र में अन्य तेंदुओं की मौजूदगी की आशंका के चलते ग्रामीणों में अभी भी चिंता और दहशत का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह तेंदुआ पिछले कई दिनों से इलाके में घूम रहा था और पशुधन का लगातार शिकार कर रहा था। तेंदुए के हमलों से ग्रामीणों में भय का वातावरण व्याप्त था, जिसके बाद वन विभाग ने निगरानी बढ़ाते हुए पिंजरा लगाया था। वन विभाग की ओर से लगाए गए पिंजरे में तेंदुआ देर रात फंस गया। सूचना मिलते ही विभागीय कर्मी सुबह मौके पर पहुंचे और तेंदुए को सुरक्षित कब्जे में लेकर आवश्यक प्रक्रिया शुरू की। हालांकि, तेंदुए की गिरफ्तारी के बावजूद ग्रामीणों का कहना है कि आसपास के जंगलों और बस्तियों के निकट अभी भी कई अन्य तेंदुओं की मौजूदगी हो सकती है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाने और निगरानी बढ़ाने की मांग की है। वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने तथा किसी भी वन्यजीव की गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को देने की अपील की है।

भारी मात्रा में हेरोइन के साथ दंपति गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी वेस्ट पुलिस जिला की एक टीम ने बेंतकुची स्थित नाका चेकिंग के दौरान एक वाहन (एस 01 जीटी 2444) को रोककर तलाशी ली। इस दौरान पुलिस ने बरपेटा निवासी दंपति शाहरुख अली (31) और ममता (34) को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी के दौरान एक छिपाए गए बैग से हेरोइन से भरे 17 साबुनदानी बरामद किए गए। जब्त किए गए मादक पदार्थ का कुल वजन लगभग 209 ग्राम बताया गया है। पुलिस ने बरामद हेरोइन को जब्त कर लिया है तथा आरोपित दंपति के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मामले की आगे की जांच जारी है।

पूसीरे के जीएम ने की त्रिपुरा में परिचालन तैयारी और अवसंरचना विकास की समीक्षा

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के महाप्रबंधक (जीएम) चेतन कुमार श्रीवास्तव ने वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ 18 जून से त्रिपुरा स्थित लामडिंग मंडल के अगरतला एवं सेकरकोट रेलवे स्टेशनों पर महत्वपूर्ण रेल अवसंरचना एवं परिचालन सुविधाओं का दो दिवसीय विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने पटरियों की स्थिति, रेल परिसंपत्तियों, यात्री सुविधाओं तथा चल रहे विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने इस क्षेत्र में परिचालन दक्षता, यात्री सुविधा एवं रेल कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से संचालित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का भी आकलन किया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि निरीक्षण के दौरान ट्रैक रखरखाव मानकों, बैलास्ट की स्थिति, जल निकासी व्यवस्था, पुलों तथा अन्य रेल परिसंपत्तियों की विस्तृत समीक्षा की गई। ऐसे निरीक्षण त्रिपुरा में विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यहां भारी वर्षा और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सुरक्षित एवं विश्वसनीय रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी आवश्यक है। अगरतला रेलवे स्टेशन पर महाप्रबंधक ने यात्रियों को प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एस्केलेटर, लिफ्ट तथा अन्य यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने राज्य में यात्री सुविधा बढ़ाने, परिचालन दक्षता में सुधार करने तथा रेल अवसंरचना के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से चल रहे रेल बिजलीकरण एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। अपने दौरे के दौरान श्रीवास्तव ने अगरतला कोचिंग डिपो का निरीक्षण किया तथा कोच अनुरक्षण, स्वच्छता, संरक्षा अनुपालन एवं परिचालन तत्परता की समीक्षा की। उन्होंने अगरतला स्थित रनिंग रूम का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध आवासीय सुविधाओं, स्वच्छता मानकों एवं रेल परिचालन दल को प्रदान की जा रही सुविधाओं का आकलन किया। इसके साथ ही सुरक्षित, कुशल एवं विश्वसनीय रेल परिचालन सुनिश्चित करने में कर्मचारियों के कल्याण के महत्व पर बल दिया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने अगरतला रेलवे स्टेशन पर एक नए लिफ्ट का उद्घाटन किया। 2016 में अगरतला तक ब्रॉड गेज सेवाओं की शुरुआत के बाद से त्रिपुरा की रेल कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन युवकों की मौत

कामरूप /रंगिया (हिंस/विभास)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत रंगिया में बीती रात हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन युवकों की मौत हो गयी। तीनों युवकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात तेज रफ्तार बाइक और तेज रफ्तार बोलेरो पिकअप वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हुई। बाइक पर दो युवक एवं एक किशोर सवार थे। मृतकों की पहचान जुबैर हुसैन, नजरुल सुल्तान और सुल्तान अली नाम के रूप में हुई है। इनमें से दो भाई जुबैर हुसैन और नजरुल सुल्तान देवलकुची हाई स्कूल के दसवीं और आठवीं कक्षा के छात्र थे। दूसरे मृतक किशोर सुल्तान अली, मृत दो भाइयों के रिश्तेदार के बेटे थे। बताया गया है कि रंगिया के यूसुफ नगर से संबंधी के घर से शादी की खबर लेकर, तीनों भाई बाइक पर सवार होकर खांदीकर स्थित अपने घर लौट रहे थे। घर पहुंचने से कुछ दूर पहले रंगिया-नाग्रिजुली मार्ग पर बाइक और डीआई पिकअप के बीच जोरदार टक्कर हो गयी। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल आरंभ कर बीती रात में ही वाहन के खलासी एवं चालक को गिरफ्तार कर लिया। इस बीच, रात में ही पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना के चलते इलाके में गहरा शौक व्याप्त है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच जारी रखे हुए है।

त्रिपुरा ने एनईईटी-यूजी पुनर्परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली

अगरतला। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि त्रिपुरा ने 21 जून को होने वाली एनईईटी-यूजी की पुनर्परीक्षा के लिए व्यापक सुरक्षा उपायों सहित सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। राज्य भर के 10 केंद्रों पर मेडिकल प्रवेश परीक्षा में लगभग 4,700 उम्मीदवार शामिल होने वाले हैं। एक प्रेस ब्रीफिंग में बोलते हुए, पश्चिम त्रिपुरा के जिला मजिस्ट्रेट विशाल कुमार ने कहा कि 10 परीक्षा केंद्रों में से नौ जिले में स्थित हैं, जहां लगभग 4,500 उम्मीदवार परीक्षा में बैठेंगे। उन्होंने कहा कि पुनर्परीक्षा को सुचारू रूप से, सुरक्षित रूप से और पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। कुमार के अनुसार, परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था बनाए रखने और प्रक्रिया की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीआरपीएफ और त्रिपुरा पुलिस दोनों के सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत प्रश्न पत्रों को कड़ी सुरक्षा और निगरानी में रखा गया है।

अंबुवासी मेला के अवसर पर विशेष आध्यात्मिक शिविर का आयोजन

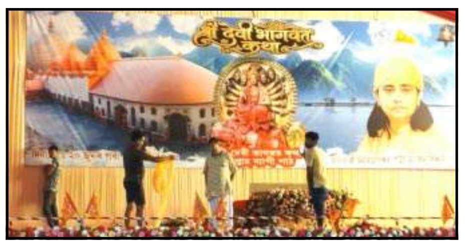

गुवाहाटी (हिंस)। पवित्र अंबुबासी मेला के अवसर पर गुवाहाटी के वृहत्तर पांडु-मालीगांव अंबुबासी मेला समिति के तत्वावधान में एक विशेष आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक शिविर का आयोजन किया गया है। पांडु कॉलेज गेट के समीप उत्तर सारथी खेल मैदान में आयोजित इस शिविर को लेकर श्रद्धालुओं एवं आम लोगों के बीच पहले से ही भारी उत्साह और उमंग का वातावरण देखा जा रहा है। समिति की ओर से बताया गया है कि यह शिविर राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। धार्मिक गरिमा, आध्यात्मिक साधना तथा सांस्कृतिक विरासत के समन्वय से सुसज्जित यह कार्यक्रम 20 जून से प्रारंभ होकर 26 जून तक चलेगा। सात दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। शिविर का प्रमुख आकर्षण गुजरात से आ रहीं गिरीनाथ धाम की 1008 श्री महामंडलेश्वर पूज्य केनकेश्वरी देवी होंगी। वे श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथामृत का श्रवण कराएंगी तथा धर्म और अध्यात्म से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रवचन देंगी। आयोजकों को विश्वास है कि उनके आध्यात्मिक संदेश एवं धार्मिक उपदेश लोगों के बीच भक्ति, नैतिकता और मानवीय मूल्यों का प्रसार करेंगे। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में स्थानीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को भी विशेष महत्व दिया गया है। प्रतिदिन आयोजित सांस्कृतिक संध्या में असम की पारंपरिक बरगीत, नागारा नाम, ओजापाली, भक्तिगीत तथा बाउल गीतों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जहां एक ओर धार्मिक वातावरण का निर्माण होगा, वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोकसंस्कृति और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन को भी बढ़ावा मिलेगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि अंबुबासी मेला के दौरान देश-विदेश से आने वाले साधु-संतों, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए यह शिविर एक अनूठा संगम स्थल सिद्ध होगा। धार्मिक प्रवचन, भक्ति संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सौहार्द, आध्यात्मिक चेतना तथा सांस्कृतिक एकता का संदेश प्रसारित करना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। वृहत्तर पांडु-मालीगांव अंबुबासी मेला समिति ने सभी श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमी लोगों एवं संस्कृति प्रेमियों से इस सात दिवसीय आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

मानसून से पहले सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश

सदिया (हिंस)। सदिया के सह-जिला आयुक्त (सीडीसी) ने सड़क सुरक्षा को लेकर सभी संबंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक की तथा मानसून से पहले दुर्घटनाग्रस्त और संवेदनशील स्थलों पर संकेतक बोर्ड, रिफ्लेक्टर एवं अन्य सुरक्षा उपकरण शीघ्र स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में सड़क किनारे दृश्यता बाधित करने वाले अवैध होर्डिंग, झाड़ियां और अन्य अवरोध हटाने, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, स्पष्ट सड़क चिह्नांकन तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर जोर दिया गया। साथ ही ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए। विद्यालय क्षेत्रों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता देते हुए नियमित वाहन जांच अभियान चलाने, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा पुलिस, परिवहन और शिक्षा विभाग के बीच समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए गए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए संयुक्त निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान तेज करने पर भी बल दिया गया।

जुबीन हत्याकांड में अभिनेता रवि शर्मा की गवाही

गुवाहाटी (हिंस)। बहुचर्चित जुबीन हत्याकांड मामले में अभिनेता रवि शर्मा ने शुक्रवार को फास्ट ट्रैक अदालत में अपना बयान दर्ज कराया। मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने अदालत के समक्ष महत्वपूर्ण गवाही दी।अभिनेता रवि शर्मा शनिवार को एक बार फिर अदालत में उपस्थित होकर अपनी शेष गवाही दर्ज कराएंगे। उन्होंने बताया कि न्यायिक प्रक्रिया तेज गति से आगे बढ़ रही है और इससे उन्हें संतोष है। फास्ट ट्रैक अदालत की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए रवि शर्मा ने कहा कि जिस कार्य को पहले छह दिनों में पूरा किया जाता था, वह अब एक ही दिन में संपन्न हो रहा है। उन्होंने इसे न्यायिक प्रक्रिया को गति देने की दिशा में सकारात्मक कदम बताया। मामले की सुनवाई जारी है और आगामी दिनों में अन्य गवाहों के भी बयान दर्ज किए जाने की संभावना है।

केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी का योग शिविर और न्यूरोसाइंस वेबिनार आयोजित

गुवाहाटी। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी द्वारा आज समाज के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए दो विशेष कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। संस्थान ने एक ओर जहां *मदर्स ओल्ड एज होम* में बुजुर्ग महिलाओं के लिए योग शिविर लगाया, वहीं दूसरी ओर योग और विज्ञान के अंतर्संबंधों पर एक राष्ट्रीय वेबिनार भी आयोजित किया। संस्थान की ओर से अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. जेउती रानी दास और क्लिनिकल योग थेरेपिस्ट गरिमा देवी ने गुवाहाटी स्थित *मदर्स ओल्ड एज होम* का दौरा कर वहां रह रही बुजुर्ग माताओं के लिए एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया। बढ़ती उम्र में जोड़ों के दर्द, मानसिक तनाव और अकेलापन जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से राहत दिलाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में माताओं की शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्हें बेहद सरल सूक्ष्म व्यायाम, भ्रामरी व अनुलोम-विलोम जैसे प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया गया, जिसके सुखद प्रभाव स्वरूप सत्र के अंत में सभी बुजुर्ग महिलाओं ने असीम मानसिक शांति, सकारात्मकता का अनुभव किया। इसी दिन संस्थान द्वारा *फ्रॉम न्यूरल पाथवे टू इनर पीस: अंडरस्टैंडिंग योग थ्रू न्यूरोसाइंस* विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टरों, शोधकर्ताओं और छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्थान प्रभारी डॉ. पीएल भारती ने अध्यक्षीय भाषण में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे जीवन शैली के रूप में अपनाने पर जोर दिए। इस वर्चुअल कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात क्लिनिकल योग थेरेपिस्ट और प्रोफेशनल मेंटल हेल्थ काउंसलर गरिमा देवी उपस्थित थीं। उन्होंने वैज्ञानिक तथ्यों के साथ समझाया कि योग और ध्यान किस प्रकार हमारे मस्तिष्क की बनावट और तंत्रिका पथ को सकारात्मक रूप से बदलकर मानसिक शांति प्रदान करते हैं। इस सक्रिय भागीदारी वाले वेबिनार से समाज को यह बड़ा लाभ होगा कि लोगों में मानसिक स्वास्थ्य जैसे अवसाद और एंग्जायटी के प्रति एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा।

तिब्बत में चीन की नीतियों को समझाती पुस्तक *चाइनाज़ कॉलोनियल गेम्स इन तिब्बत*

नव ठाकुरिया

तिब्बत के राजनीतिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक महत्व पर केंद्रित पुस्तक *चाइनाज़ कॉलोनियल गेम्स इन तिब्बत* वैश्विक स्तर पर तिब्बत के मुद्दे को नए सिरे से विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास करती है। वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और तिब्बत मामलों के विशेषज्ञ विजय क्रांति द्वारा संपादित इस पुस्तक का प्रकाशन वीके मीडिया ग्रुप ने सेंटर फॉर हिमालयन एशिया स्टडीज एंड एंगेजमेंट (सीएचएएसई) के लिए किया है। पूर्वोत्तर भारत के वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार नव ठाकुरिया ने पुस्तक की समीक्षा की है। ठाकुरिया के अनुसार, 486 पृष्ठों की इस पुस्तक में तिब्बत, चीन और एशियाई भू-राजनीति से जुड़े 39 विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं, राजनयिकों और रणनीतिक मामलों के जानकारों के

लगभग 60 लेख संकलित किए गए हैं। यह सामग्री वर्ष 2020 से 2023 के दौरान आयोजित 30 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनारों और चर्चाओं पर आधारित है। पुस्तक में तिब्बत के अलावा पूर्वी तुर्किस्तान, दक्षिणी मंगोलिया, हांगकांग और मंचूरिया जैसे क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों का भी विश्लेषण किया गया है। विजय क्रांति के अनुसार पुस्तक का उद्देश्य तिब्बती समाज के समक्ष मौजूद राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक चुनौतियों का तथ्याधारित दस्तावेज प्रस्तुत करना है। पुस्तक में मानवाधिकार, सांस्कृतिक संरक्षण, प्रशासनिक नीतियों तथा तिब्बती पहचान से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है। संकलन में भूचुंग त्सेरिंग, क्लाउड अर्पी, डेचेन पाल्मो, एथन गुटमैन, गेब्रियल लाफिटे, गेशे ल्हाकडोर, जयदेव रानाडे, जेनिफर जेंग, ल्हाडोन टेथोंग सहित अनेक अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के लेख शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रोफेसर समधोंग रिनपोछे, प्रोफेसर रॉबर्ट डेस्ट्रो और सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन के अध्यक्ष पेनपा त्सेरिंग के विचार भी पुस्तक को विशेष महत्व प्रदान करते हैं। पुस्तक की भूमिका परम पावन 14वें दलाई लामा ने लिखी है। उन्होंने तिब्बती पठार के पर्यावरणीय महत्व को रेखांकित करते हुए इसे एशिया की प्रमुख नदियों का स्रोत और एक अरब से अधिक लोगों के जीवन से जुड़ा क्षेत्र बताया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि संवाद, सत्य और न्याय के आधार पर तिब्बत से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे प्रश्नों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है। शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं, कूटनीतिज्ञों और सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञों के लिए यह पुस्तक तिब्बत और चीन के जटिल संबंधों को समझने वाला एक महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ मानी जा रही है। (लेखक पूर्वोत्तर भारत के वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

संपादकीय

भारत पर हमला, तो मदद

भारत के प्रधानमंत्री मोदी और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप करीब 16 माह के लंबे अरसे के बाद मिले। बेशक हाथ मिलाए गए, लेकिन गर्मजोशी से गले नहीं मिले। न जाने क्यों? इस महामुलाकात के दौरान कई गांठें खुली होंगी, भ्रम टूटे होंगे, धारणाएं बदली होंगी, कई तरह की बर्फ भी पिघली होगी, नतीजतन राष्ट्रपति ट्रंप ने ओमान खाड़ी में तीन भारतीय नाविकों की हत्या पर शोक जताया और भविष्य में सभी नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दिया। यह द्विपक्षीय मुलाकात फ्रांस में जी-7 सम्मेलन के एक तरफ की गई। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहली बार ऐसा बयान देकर दुनिया को चौंका दिया कि यदि किसी ने इस शख्स (प्रधानमंत्री मोदी की ओर इशारा कर) पर हमला किया, तो हम भारत की मदद करेंगे। जब तक भारत में प्रधानमंत्री मोदी हैं, तब तक प्रत्येक हमले में अमरीका भारत के साथ खड़ा रहेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भारत में कोई नया नेता होगा, तो फिर उन्हें (ट्रंप को) सोचना पड़ेगा। अमरीकी राष्ट्रपति का यह अभिमत तब सामने आया, जब उनसे भारत के साथ रक्षा-सहयोग का सवाल पूछा गया। बेशक भारत और अमरीका रणनीतिक साझेदार देश हैं। दोनों के बीच रक्षा, सुरक्षा, संरक्षा के करार मौजूद हैं। ये करार भावनात्मक भी हैं और मसविदों पर अंकित भी हैं। सबसे अहम उदाहरण 'क्वाड' का है, जिसमें भारत और अमरीका के अलावा, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। इन देशों के लिए हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील हैं। करीब 35 फीसदी व्यापार हिंद महासागर के जरिए होता है। वहां चीन भी मौजूद है और कभी-कभार हेकड़ी भी दिखाता है, लिहाजा अमरीका के इस क्षेत्र में अस्तित्व और सक्रियता के लिए तथा चीन की आक्रामकता का जवाब देने के लिए अमरीका को भारत की जरूरत है। और कोई विकल्प ही नहीं है। संभवतः राष्ट्रपति ट्रंप का बयान इसी परिदृश्य और संवेदनशीलता के मद्देनजर आया हो! इसके अलावा, मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन और तुर्किये ने पाकिस्तान की सैन्य मदद की थी, उसके बावजूद भारत की वायुसेना ने पाकिस्तान के एयरबेस और विमानों को मिट्टी-मलबे में तबदील कर दिया था। बहरहाल अब राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक बयान दिया है कि भारत पर किसी भी हमले की सूरत में अमरीका मदद करेगा। यह कूटनीतिक समीकरणों में ऐतिहासिक बदलाव का स्पष्ट संकेत है, क्योंकि भारत पहले सोवियत संघ समर्थक था और अब भी रूस का घनिष्ठ मित्र है, लेकिन अमरीका का घोषित रणनीतिक साझेदार भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को साफ कहा है कि साझेदारी समान और सम्मानजनक होनी चाहिए। कोई भी रिश्ता, संबंध 'भरोसे' के बूते ही कामयाब होता है। भारत-अमरीका के रिश्तों में बीते 16 माह के दौरान उतार-चढ़ाव आते रहे हैं, अमरीकी राष्ट्रपति ने भारत को 'डेड इकोनॉमी' करार दिया है। भारत की तुलना नरक से की है और भारत पर 50 फीसदी टैरिफ भी थोपा है। वे बयान मानसिकता के किसी झोंके में कहे गए होंगे, लेकिन हकीकत यह है कि दोनों देश आपस में पूरक हैं। जहां तक रक्षा-सहयोग का संदर्भ है, तो भारत आज रूस से 40 फीसदी हथियार खरीदता है, फ्रांस से करीब 29 फीसदी और इजरायल से 15-16 फीसदी खरीदता है। इस सूची में अमरीका लगभग गायब है, जबकि वह दुनिया में हथियारों का सबसे बड़ा, करीब 42 फीसदी, सप्लायर है। संभवतः यह यथार्थ राष्ट्रपति ट्रंप को परेशान करता होगा! शायद इसीलिए भी ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने की इजाजत भारत को दी है। अमरीकी बंदिश बुधवार को समाप्त हो चुकी थी। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ 'व्यापार समझौते' की उम्मीद जताई और प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत को 'सार्थक' करार दिया। उन्होंने भारत के साथ 19 ट्रिलियन डॉलर से अधिक के कारोबार की उम्मीद जताई है। भारत करीब 30 फीसदी इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी, उपकरण, करीब 10 फीसदी दवाएं और 8 फीसदी से ज्यादा परमाणु रिएक्टर आदि अमरीका को निर्यात करता है। बहरहाल यह शीर्ष मुलाकात तब हुई है, जब शुक्रवार को अमरीका-ईरान में शांति-समझौते पर हस्ताक्षर प्रस्तावित हैं।

अमरीकी राष्ट्रपति का यह अभिमत तब सामने आया, जब उनसे भारत के साथ रक्षा-सहयोग का सवाल पूछा गया। बेशक भारत और अमरीका रणनीतिक साझेदार देश हैं। दोनों के बीच रक्षा, सुरक्षा, संरक्षा के करार मौजूद हैं। ये करार भावनात्मक भी हैं और मसविदों पर अंकित भी हैं। सबसे अहम उदाहरण 'क्वाड' का है, जिसमें भारत और अमरीका के अलावा, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। इन देशों के लिए हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील हैं। करीब 35 फीसदी व्यापार हिंद महासागर के जरिए होता है। वहां चीन भी मौजूद है और कभी-कभार हेकड़ी भी दिखाता है, लिहाजा अमरीका के इस क्षेत्र में अस्तित्व और सक्रियता के लिए तथा चीन की आक्रामकता का जवाब देने के लिए अमरीका को भारत की जरूरत है। और कोई विकल्प ही नहीं है। संभवतः राष्ट्रपति ट्रंप का बयान इसी परिदृश्य और संवेदनशीलता के मद्देनजर आया हो! इसके अलावा, मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन और तुर्किये ने पाकिस्तान की सैन्य मदद की थी।

सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम के संसदीय दल में भी टूट-फूट की दिख रही

दलीय टूट-फूट के सवालों से मुठभेड़ जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

डॉक्टर लोहिया ने कहा तो था समाजवादियों से, लेकिन लगता है कि उनकी बात आज के विपक्षी दलों ने ज्यादा शिद्दत से मान ली है। लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम-सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे। सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम्के संसदीय दल में भी टूट-फूट की दिख रही है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव की अगुआई वाली समाजवादी पार्टी में भी टूट की भविष्यवाणी जता दी है। भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई बात नहीं है। अतीत में भी दल-बदल होते रहे हैं। हरियाणा में तो तकरीबन पूरा विधायक दल ही दूसरे दल में समा गया था। उसी के बाद से दलबदल के लिए भारतीय राजनीति में 'आयाराम गयाराम' का मुहावरा ही चल पड़ा था। लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद जिस तरह दल-बदल या दलों में टूटफूट हो रहा है, वह अप्रत्याशित है। इतने बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों में भगदड़ पहले नहीं हुई थी। पहले किसी एक या दो दल में ऐसा होता था। ऐसा लग रहा है कि जैसे बीजेपी विरोधी दलों को दल-बदल या टूट-फूट वाली छूत की बीमारी लग गई है। इस प्रभावित दल इस टूट-फूट के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि बीजेपी टूटने वाले नेताओं को मोटी रकम का लालच दे रही है। उनका यह भी आरोप है कि संवैधानिक सुधारों के लिए चूंकि बीजेपी को संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरूरत है, इसलिए वह धन और बाहुबल का लालच देकर दलों को तोड़ रही है। एक बारगी मान भी लें कि बीजेपी की शह पर ये टूट-फूट हो रही है तो एक प्रश्न जरूर उठता है कि आखिर राजनीतिक दलों ने कैसे नेताओं को अपना सांसद या विधायक बनाने के लिए चुना है? क्या उनके चयन में कोई गलती रही? सवाल यह भी उठता है कि जो टूट रहे हैं, क्या सांसद या विधायक बनाने को लेकर जब उनका चयन किया जा रहा था, तो उनकी कौन की खासियत देखी गई थी? क्या दल के प्रति न उनकी निष्ठा, उनके चरित्र आदि का ध्यान नहीं रखा गया। सवाल यह भी उठता है कि क्या बाहुबल या धन बल ही उनके चयन की बड़ी योग्यता मानी गई। इन सवालों का ईमानदारी से जवाब प्रभावित दल भले ही नहीं दे, लेकिन यह छुपी हुई बात नहीं है कि भारतीय राजनीति में संसद या विधानसभा में नुमाइंदगी के लिए दलीय निष्ठा की बजाय दूसरे कारकों का ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। इसमें चुनाव जीतने की क्षमता, चुनाव में खर्च करने की सामर्थ्य और जरूरत बड़ने पर पार्टी के लिए धन और बाहुबल के साथ खड़ा होने की शक्ति भी देखी जाती है। कई बार तो सिर्फ पैसे के दम पर ही टिकट हासिल कर लिए जाते हैं। यही वजह है कि मौका मिलते ही ये नेता अपनी निष्ठा बदलने में देर नहीं लगाते। निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है। अगर विचारधारा से विचलन के बाद सत्ता आती दिखती है तो राजनीतिक दल और नेता भी अपनी उस विचारधारा को कुछ वक्त के लिए ताक पर रख देते हैं। सिद्धांत और निष्ठाएं भी तब तक के लिए टाल दी जाती हैं। जब दलीय आधार पर ऐसा होता है तो निजी स्तर पर किसी सांसद और विधायक को आर्थिक या सत्ता में भागीदारी का मौका मिलेगा तो वह क्यों न टूटेगा। सवाल यह है कि जब दल और उसका अगुआ ही अपनी निष्ठा और विचारधारा को सत्ता के लिए किनारे रख देगा तो मौका मिलने पर उसका सांसद और विधायक ऐसा क्यों नहीं कर सकता। उद्धव ठाकरे के संसदीय दल में बिखराव की बड़ी वजह सत्ता के लिए पार्टी के सिद्धांतों से समझौता और कांग्रेस का साथ लेना रहा है। टूट रहे सांसदों को लेकर आरोप लगाने वाले दलों को भी सोचना होगा कि आखिर उन्होंने किस तरह के लोगों को चुना? सवाल यह है कि जब पैसे लेकर टिकट दिए जाएंगे, जब दल और विचारधारा की निष्ठा के बजाय चुनावी टिकट हासिल करने के अन्य कारण होंगे तो फिर इस प्रक्रिया से चुनकरआए सांसदों और विधायकों की खरीद-बिक्री पर सवाल कैसे उठाए जा सकते हैं? कैसे उन्हें दलीय निष्ठा के प्रति बांधे रखा जा सकता है। दलीय टूट-फूट का अभी कोई बड़ा नुकसान भले ही नहीं दिख रहा हो, लेकिन आने वाले दिनों में इसका एक बड़ा हश्र लोक विश्वास के दरकने के रूप में दिख सकता है। आज का मतदाता बहुविध सूचनाओं के तमाम स्रोतों से लैस है। उसकी राजनीतिक समझ पहले के मीडिया क्रांति केदौर के पहले के मतदाताओं की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित है। उसका सामान्य ज्ञान कमजोर भले ही हो सकता है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसमें आ रहे निष्ठागत बदलावों की पृष्ठभूमि को वह समझ रहा है। ऐसे में उसका भरोसा मौजूदा राजनीतिक तंत्र से चूक सकता है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से उसका भरोसा टूटना लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। दल बदलने वाले अपने प्रतिनिधि के बारे में वह सवाल उठा सकता है कि उसने जिस सोच के साथ उसे वोट दिया, उसका प्रतिनिधि उस सोच के साथ गद्दारी कर रहा है। कई बार स्थानीय कारणों के साथ ही अपनी वैचारिक निष्ठा के चलते भी अपना मत देता है। हो सकता है कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी दल विशेष को बड़ा समर्थन मिला हो, लेकिन उसी दल विशेष के किसी स्थानीय प्रतिनिधि को स्थानीय निष्ठाओं, जरूरतों और कारकों के साथ ही वैचारिक कारणों से मतदाताओं का समर्थन नहीं मिलता। मान लेते हैं कि राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर किसी दल विशेष को भारी समर्थन मिला है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसके ठीक उलट किसी अन्य दल या उसके प्रतिनिधि को समर्थन मिला है। इसका मतलब यह है कि राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन हासिल करने वाले दल के कार्यक्रमों और योजनाओं की बजाय स्थानीय योजनाओं को लेकर स्थानीय लोगों की अपनी अलग दृष्टि है, या अपनी अलग चाहत है। स्थानीय मतदाताओं का भरोसा उसे इसी वजह से मिला है। लेकिन उसका प्रतिनिधि अपनी निष्ठा बदल लेता है कि स्थानीय मतदाता खुद को आहत और ठगा हुआ महसूस कर सकता है। चूंकि इन दिनों दलीय टूट-फूट व्यापक स्तर पर हो रही है, इसलिए मतदाताओं में इसका व्यापक असर पड़ सकता है। इसके चलते मतदाता आहत महसूस कर स0कते हैं, विश्वासघात भी मान सकते हैं। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर हो सकता है। मौजूदा राजनीतिक तंत्र को मतदाताओं के मनमिजाज को इस नजरिए से भी समझना होगा। भारतीय लोकतंत्र को भरोसेमंद बनाने की राह राजनीतिक दलों को ही खोजना होगा। क्योंकि लोहिया की टूटने की अपील के पीछे भी सुधार को खोजना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल संपूर्णता में इस सवाल से मुठभेड़ करने को तैयार हैं।

लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम-सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे।

कुछ अलग

आना मानसून का समय पर

इन दिनों राजनीतिक हलकों में इस बात को लेकर काफी चिंता है कि इस बार मानसून समय पर आ रहा है। गोया मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए और यदि आए भी तो सरकारी स्वीकृति से आए, वरना मानसून की कोई जरूरत ही नहीं है। पार्टी कार्यकर्ता से लेकर मंत्री-मुख्यमंत्री सब परेशान हैं कि मानसून समय पर क्यों आ रहा है। मानसून आ गया तो अकाल और सूखे का क्या होगा? मुख्यमंत्री मिले तो मैंने कहा- 'लीजिए साब, इस बार मानसून समय पर आ रहा है!' मुख्यमंत्री बौखला गए, 'यह क्या कह रहे हो। इस देश में कुछ भी समय पर नहीं हो रहा, फिर यह मानसून मरा समय पर क्यों आ रहा है। कुछ करो यार मानसून को टालने के उपाय।' मैं बोला- 'जनता मानसून लाने के लिए हरिकीर्तन कर रही है और आप उसे टालना चाहते हैं। मेरी समझ में नहीं आता आप इतने परेशान क्यों हैं मानसून से। मानसून का समय है तो वह आएगा ही।' मुख्यमंत्री के चेहरे पर निराशा के बादल छा गए, आंखों में उदासी की घटाएं घुमड़ीं। वे बोले- 'सच तो यह है कि केन्द्र सरकार को नब्बे करोड़ की सहायता के लिए कहा हुआ है। वर्षा आ गई तो भला यह राशि कैसे मिलेगी? राहत सामग्री का वितरण पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अनिवार्य है। जहां तक असंतुष्टों का सवाल है, सूखे व अकाल के बहाने वे भी मंत्री बने इस सूखे-अकाल के सहारे चुप्पी साधे हुए हैं। मानसून आते ही सब सिर उठा लेंगे।' 'तब तो वाकई चिंता की बात है। मानसून आने से राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने वाली है तो राष्ट्रीय अशांति का खतरा है। हमें इस दिशा में वैज्ञानिकों का सहयोग लेना चाहिए।' मैंने कहा। मुख्यमंत्री बोले- 'वैज्ञानिकों का कोई दोष नहीं है।'

देश दुनीया से

करो योग, रहो निरोग

आज भागती दौड़ती दिनचर्या में समय का बहुत अभाव है। ऐसे में हमारे शरीर की फिटनेस के लिए योग जैसा कार्यक्रम चाहिए जो कम समय में बिना कोई धन खर्च किए आसानी से उपलब्ध हो। शहर तो शहर, ग्रामीण परिवेश में भी दैनिक जीवन की भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास तो हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। हमारा पैदल चलना अब बहुत कम हो गया है। रक्त वाहन करने वाली शिराओं के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उन्हें ठीक रख सके। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगती हैं। लोगों का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। वर्तमान जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नए-नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए आज अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है, जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें

यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है, तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं, उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह : अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है। बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है। शरीर और मन दोनों की शुद्धि। संतोष दूसरा नियम है। इसमें कत्र्तव्य का पालन करते हुए जो कुछ उपलब्ध हो, जो कुछ प्राप्त हो उसी में संतुष्ट रहना। किसी प्रकार की तृष्णा न करना। तीसरा नियम है तप, इस नियम में अपने वर्ण, आश्रम, परिस्थिति और योग्यता के अनुसार स्वधर्म का पालन करना। व्रत, उपवास आदि भी इसी में शामिल किया जाता है। यानी कि स्वयं से अनुशासित दिनचर्या में रहना है। स्वाध्याय चौथा नियम है। जिससे कत्र्तव्य का बोध हो सके, मतलब शास्त्र का अध्ययन करना। महापुरुषों के वचनों का अनुपालन भी स्वाध्याय के अंतर्गत आता है। ईश्वर प्राणिधान पांचवां नियम है। ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण व संपूर्ण श्रद्धा रखना। फल की इच्छा का परित्याग पूर्वक समस्त कर्मों का ईश्वर को समर्पण करना ईश्वर प्राणिधान कहलाता है। हजारों साल पहले भारतीय शोधकर्ताओं ने योग की क्रियाओं से होने वाले लाभों को समझ लिया था जो आज की चिकित्सा व खेल विज्ञान में योग का प्रयोग खूब हो रहा है। योग के नियमों का पालन करने के बाद अगर यौगिक क्रियाओं को किया जाता है तो मानव में शारीरिक व मानसिक स्तर पर आश्चर्यजनक रूप से अलौकिकता का सुधार होता है। आज आधुनिकता की इस अंधी दौड़ में इनसान को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। आज जब मनुष्य के पास हर सुख सुविधा आसानी से उपलब्ध है।

आप का नजरीया

अस्तित्व के लिए पलायन

हिमाचल कहां-कहां बस रहा है और बसने की तलाश में कहां निकल रहा है, कुछ इसी तरह के सर्वेक्षण की मिट्टी मंडी में तैयार हो रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी में हिमाचली आंकड़ों में छुपा दर्द, मजबूरियां, प्रगतिशीलता और प्रतिस्पर्धा का हिसाब होगा। गांव से शहर, शहर से दूसरे शहर और हिमाचल से बाहर जाने वाले लोगों की दास्तान और कहानियां समझी जाएंगी, तो इसका सामाजिक ब्यान और आर्थिक समाधान भी सामने आएगा। पलायन की वजह का स्वरूप बदला है। पहले पलायन का अर्थ केवल जिंदगी की तलाश थी, अब बेहतर भविष्य की रफ्तार है। हिमाचल के भीतर शहरीकरण ने भौतिक उपलब्धियां बदली हैं, तो बदलते व्यापार ने नित नए अवसर प्रदान किए। पर्यटन की संभावनाओं ने पलायन को एक अवसर दिया, तो यह जमीन की खरीद-फरोख्त में जुट गया। हिमाचल की तरक्की के आयाम जमीनों की रजिस्ट्री में पढ़े जाएं, तो हर शहर में कई शहर बस रहे हैं। हिमाचल में हुआ विस्थापन, पलायन की अनिवार्यता में नए दरवाजे खड़े करता गया। विडंबना यह रही कि प्रदेश में पलायन के मनोविज्ञान में नई संभावनाएं ढूंढी गईं। उत्तराखंड में टिहरी बांध बना, तो वहां पलायन को पुनर्वास की इकाई बना कर न्यू टिहरी बसा दिया गया। इसी तरह बिलासपुर में हम मान सकते हैं कि कुछ सेक्टर बस गए, लेकिन ऐसे शहर पौंग, कोल व चमेरा के करीब भी बसाए होते तो, पलायन की नौबत नहीं आती। पलायन अगर कहानियों में बसता है, तो पौंग बांध के उजड़े लोग कई उपन्यास अधूरे छोड़ चुके हैं। आज भी रेगिस्तान में अपने अस्तित्व के चिन्ह खोज रहे हजारों विस्थापित, आंसुओं की गवाही में तसदीक होते हैं, तो पलायन के ये मजमून हमारी नीतियों के अंगारे हैं। अभी हाल के वर्षों में पलायन को पलायन कहने और मानने में बड़ा अंतर आया है। एक दृष्टि से हिमाचल की समृद्धि, तरक्की और प्रति व्यक्ति आय के बढ़ते आंकड़ों ने प्रदेश के दायरे बढ़ाते हुए जो संभावनाएं तराशी हैं, उनसे पलायन की नई भूमिका इंगित हुई है। दूसरा घर यूं तो पलायन का सबब नहीं, लेकिन प्रदेश के बाहर अगर यह तीव्र गति से विकसित हुआ अरमान है, तो इसमें छिपी आशाएं भी पढ़ लेनी चाहिएं। आज अगर चंडीगढ़ और इसके आसपास पंजाब व हरियाणा में विकसित हो रही रीयल एस्टेट की साठ फीसदी प्रॉपर्टी पर हिमाचली अपना जौहर दिखा रहे हैं, तो यह दूसरे घर की खूबसूरत निशानी है। इस पलायन का आशावादी रुख यह है कि हिमाचल की आमदनी अब चंडीगढ़ में दिखने लगी है। हिमाचली लोगों के लिए शॉपिंग का तजुर्बा अगर चंडीगढ़ के माल हैं या चिकित्सा का विमर्श प्रदेश के बाहर है, तो इसे पलायन कहें या हिमाचल की क्षमता का निखार मानें। क्यों हिमाचली बच्चे प्रदेश के स्कूलों से पलायन करके पड़ोसी राज्यों में निकल गए। क्यों इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई करके प्रदेश के युवाओं का ब्रेन ड्रेन हो रहा है या इस पलायन की बस्तियों में नोएडा, दिल्ली, गुडगांव, हैदराबाद, मुंबई या चेन्नई तक काफिले पहुंच रहे हैं। आज का पलायन महज बस्तियों का नहीं, बल्कि क्षमता, संभावना और आर्थिकी का है। अगर प्रदेश में पांच-छह आई टी पार्क खोल दिए होते, तो स्थिति हिमाचली योगदान में सौ फीसदी अव्वल भी तो हो सकती थी। बहरहाल वर्तमान सरकार गगल एयरपोर्ट के साथ एयरो सिटी तथा चंडीगढ़ के पास हिम चंडीगढ़ जैसे शहर बसाने का मंतव्य रखती है। चंडीगढ़ की समीपता में हिम चंडीगढ़ जैसा शहर अगर प्रदेश के युवाओं व प्रोफेशनल की पहचान बन जाए, तो सारे तमगे, संभावना और क्षमता प्रदेश के हित में सफलता के कई आयाम लिख पाएंगे।

गांव से शहर, शहर से दूसरे शहर और हिमाचल से बाहर जाने वाले लोगों की दास्तान और कहानियां समझी जाएंगी, तो इसका सामाजिक ब्यान और आर्थिक समाधान भी सामने आएगा। पलायन की वजह का स्वरूप बदला है। पहले पलायन का अर्थ केवल जिंदगी की तलाश थी, अब बेहतर भविष्य की रफ्तार है। हिमाचल के भीतर शहरीकरण ने भौतिक उपलब्धियां बदली हैं, तो बदलते व्यापार ने नित नए अवसर प्रदान किए। पर्यटन की संभावनाओं ने पलायन को एक अवसर दिया, तो यह जमीन की खरीद-फरोख्त में जुट गया। हिमाचल की तरक्की के आयाम जमीनों की रजिस्ट्री में पढ़े जाएं, तो हर शहर में कई शहर बस रहे हैं। हिमाचल में हुआ विस्थापन, पलायन की अनिवार्यता में नए दरवाजे खड़े करता गया। विडंबना यह रही कि प्रदेश में पलायन के मनोविज्ञान में नई संभावनाएं ढूंढी गईं। उत्तराखंड में टिहरी बांध बना, तो वहां पलायन को पुनर्वास की इकाई बना कर न्यू टिहरी बसा दिया गया। इसी तरह बिलासपुर में हम मान सकते हैं कि कुछ सेक्टर बस गए, लेकिन ऐसे शहर पौंग, कोल व चमेरा के करीब भी बसाए होते तो, पलायन की नौबत नहीं आती। पलायन अगर कहानियों में बसता है, तो पौंग बांध के उजड़े लोग कई उपन्यास अधूरे छोड़ चुके हैं। आज भी रेगिस्तान में अपने अस्तित्व के चिन्ह खोज रहे हजारों विस्थापित, आंसुओं की गवाही में तसदीक होते हैं, तो पलायन के ये मजमून हमारी नीतियों के अंगारे हैं। अभी हाल के वर्षों में पलायन को पलायन कहने और मानने में बड़ा अंतर आया है।

दृष्टि कोण

ईरान और अमरीका का सहमति पत्र

यूएसए और ईरान में प्रमुख मुद्दों को लेकर आपसी सहमति बन गई है। सहमति शुरू ही यहां से होती है कि इन मुद्दों पर केवल यूएसए और ईरान ही नहीं बल्कि दोनों के पक्ष के अन्य देश भी इस सहमति पत्र से सहमत हैं। लेकिन सहमति पत्र में कहीं भी सहयोगी देशों के नामों का उल्लेख नहीं है। अलबत्ता दोनों देश एक दूसरे के खिलाफ सैनिक कार्रवाई बंद कर देंगे, इसका स्पष्ट उल्लेख किया गया गया है। पर इसके साथ एक दूसरा उल्लेख है कि लेबनान के खिलाफ भी सैनिक कार्रवाई खत्म की जाएगी। लेकिन लेबनान के खिलाफ सैनिक कार्रवाई तो यूएसए कर ही नहीं रहा था। लेबनान पर कार्रवाई इजरायल कर रहा है जिसका कारण वहां हिजबुल्लाह की आतंकी गतिविधियां हैं। यूएसए ने माना है कि वह ईरान को तीन सौ बिलियन डालर देगा ताकि वहां निर्माण कार्य फिर से शुरू हो सके। ईरान की मुख्य मांग यह भी थी कि अमरीका युद्ध में हुए नुकसान का हर्जाना दे। यूएसए ने यह भी मान लिया है कि वह ईरान पर लगाए गए तमाम प्रतिबंधों को समाप्त करेगा और ईरान अपना तेल अपने हिसाब से बेच सकता है। दरअसल यूएसए का राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से कह रहा था कि ईरान की सरकार बदली जाएगी। इस सहमति पत्र में यूएसए ने माना है कि वह ईरान के आंतरिक मामलों में दखलअंदाजी नहीं करेगा। मुख्य मसला होर्मुज का बन गया था। ईरान ने वहां से समुद्री जहाजों की आवाजाही ही बंद नहीं की थी, बल्कि उन पर शुल्क लगाना शुरू कर दिया था। इसके उत्तर में यूएसए ने ईरान के समुद्री मार्गों की ही घेराबंदी कर ली थी। इस सहमति पत्र में यूएसए ने अपनी घेराबंदी समाप्त करने की बात मान ली है। ईरान भी इस बात पर सहमत हो गया है कि वह ओमान के साथ बैठ कर होर्मुज का मसला सुलझाएगा। यूएसए अपने टैरिफ भी खत्म करेगा। मुख्य मसला ईरान द्वारा परमाणु बम बनाने को लेकर था। यूएसए ने ईरान पर जो सैनिक कार्रवाई शुरू की थी, उसका कारण भी यही बताया गया था। सहमति पत्र में इस मामले को लेकर ईरान ने इस बात पर सहमति

जताई है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ईरान इस बात पर सहमत हो गया है कि उसके पास संवर्धित यूरेनियम का जो भंडार है, उसका समाधान अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संगठन की निगरानी में निकालेगा। दोनों देश परमाणु ऊर्जा से जुड़े मुद्दों की संवेदनशीलता पर भी सहमत हो गए हैं। परमाणु ऊर्जा से संबंधित मसलों पर जो सहमति अब दिखाई जा रही है, ईरान युद्ध से पूर्व भी इन पर लगभग सहमत ही था। इसमें कोई नई बात दिखाई नहीं दे रही। केवल भाषा और वाक्य ही नए हैं। तब प्रश्न उठेगा ही कि यूएसए को इस सारे अभियान से क्या हासिल हुआ? ईरान की सरकार को वह बदल नहीं सका। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनई को उसने अवश्य मारने में सफलता हासिल की लेकिन उसके उत्तर में ईरान ने भी ट्रंप पर ईनाम की घोषणा कर दी है। इस सहमति पत्र में वह वापस नहीं ली गई है। जहां तक परमाणु हथियारों का सवाल है, ईरान ने उनसे जुड़े जिन मुद्दों पर सहमति जताई है, उन पर वह युद्ध से पहले भी सहमत ही था। अलबत्ता इस सैन्य कार्रवाई से होर्मुज का नया मसला खड़ा हो गया है। ईरान पर अनेक प्रतिबंध लगाने के बावजूद अंत में अमरीका को पीछे हटना पड़ा। युद्ध का हर्जाना बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। यूएसए तीन सौ बिलियन डालर देने पर सहमत हो गया है। यह ठीक है कि सहमति पत्र में इसे निर्माण कार्यों के लिए दी जाने वाली राशि कहा गया है। लेकिन सब जानते और मानते हैं कि यह यूएसए द्वारा दिया जा रहा हर्जाना ही है। लड़ाई के लिए जो देश जिम्मेदार ठहराया जाता है, वह हर्जाना देता है, यह पुरानी परंपरा है।

रजिस्ट्री व्यवस्था का निजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा : आनंद मोहन गुप्ता

मुरादाबाद (हिंस)। ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में पांचवे दिन शुक्रवार को भी अधिवक्ता हड़ताल पर रहे। उन्होंने रामगंगा विहार स्थित कार्यालय में प्रदर्शन किया और धरने पर बैठ गए। दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता ने कहा कि रजिस्ट्री व्यवस्था का निजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिवक्ता इस व्यवस्था का विरोध करते रहेंगे। दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के महासचिव कपिल गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार की सुबह अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक, स्टांप वेंडर्स, टाइपिस्ट रामगंगा विहार स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में इकट्ठा हो गए थे। अधिवक्ता हड़ताल पर रहे और उन्होंने न्यायिक कार्य भी नहीं किया। बृहस्पतिवार की दोपहर एडीएम (वित्त एवं राजस्व) ममता मालवीय और एआईजी स्टांप अनिल कुमार रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचकर अधिवक्ताओं से बात की। अधिवक्ताओं ने उन्हें मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया था।

मंत्री विजय सिन्हा ने शाहपुर एनकाउंटर पर उठाए सवाल, प्रशासन की लापरवाही को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

पटना (हिंस)। बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित बिलौटी गांव में हुए कथित पुलिस एनकाउंटर को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बहस तेज हो गई है। इस मामले में बिहार सरकार के मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिन्हा ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए घटना को दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि जिस मामले का समाधान प्रशासनिक स्तर पर सहज तरीके से किया जा सकता था, उसे जिस प्रकार अंजाम दिया गया, वह उचित नहीं कहा जा सकता। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सरकार ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया है और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया प्रशासनिक लापरवाही परिलक्षित होती है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। मंत्री के इस बयान के बाद मामला और अधिक चर्चा में आ गया है, क्योंकि आमतौर पर ऐसे मामलों में सरकार और पुलिस प्रशासन एक-दूसरे के समर्थन में दिखाई देते हैं। भरत तिवारी की मौत के बाद क्षेत्र में लोगों का आक्रोश खुलकर सामने आया है। ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क

पर उतरकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया तथा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनों का आरोप है कि भरत तिवारी की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई और पुलिस की कार्रवाई पर कई सवाल खड़े होते हैं। इस मामले में एक वीडियो भी चर्चा का विषय बना हुआ है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कथित तौर पर भरत तिवारी पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में वह अपने पास मौजूद पिस्टल पुलिसकर्मियों को सौंपता नजर आता है। वीडियो सामने आने के बाद कई गंभीर सवाल उठने लगे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि भरत तिवारी ने आत्मसमर्पण कर दिया था और अपना हथियार पुलिस को सौंप दिया था, तो उसके बाद गोली चलाने की आवश्यकता क्यों पड़ी। सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि वह निहत्था हो चुका था, तो उसे कई गोलियां कैसे लगीं। वहीं यदि पुलिस को अपनी सुरक्षा को लेकर खतरा था, तो आत्मसमर्पण का दृश्य सामने आने के बाद उस दावे की भी जांच जरूरी हो जाती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सरकार के वरिष्ठ मंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाया जाना इस मामले को और गंभीर बना देता है। इससे यह संकेत मिलता है कि सरकार भी पूरे घटनाक्रम को लेकर स्पष्ट और निष्पक्ष जांच चाहती है। अब सभी की निगाहें जांच एजेंसियों की रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि घटना की वास्तविक परिस्थितियां क्या थीं और पुलिस कार्रवाई नियमों के अनुरूप थी या नहीं। फिलहाल प्रशासन की ओर से मामले की जांच जारी है और संबंधित तथ्यों को एकत्र किया जा रहा है। परिजन तथा स्थानीय लोग दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और न्याय की मांग कर रहे हैं।

कृत्रिम जनादेश तैयार करना लोकतंत्र और जनादेश का अपमान : सचिन पायलट

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि राजनीतिक एजेंडा पूरा करने के लिए *कृत्रिम जनादेश* तैयार करने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के जनादेश का अपमान है। पायलट ने कहा कि देश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को सरकार चलाने के लिए बहुमत दिया है, लेकिन दो-तिहाई बहुमत नहीं दिया। ऐसे में जो जनादेश जनता ने नहीं दिया, उसे राजनीतिक जोड़-तोड़ के माध्यम से कृत्रिम रूप से तैयार करने की कोशिश लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले जो विधेयक गिर चुका था, उसे दोबारा लाने की कोशिश *मैन्युफैक्चर्ड मैंडेट* के जरिए की जा रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को तोड़कर, सांसदों को इधर-उधर कर और कृत्रिम बहुमत बनाकर संवैधानिक प्रक्रियाओं को प्रभावित

करने का प्रयास देश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। परिसीमन के मुद्दे पर पायलट ने कहा कि इसकी एक निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया है। पहले जनगणना होनी चाहिए, उसके बाद आयोग का गठन किया जाना चाहिए और फिर परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़नी चाहिए। बिना निर्धारित प्रक्रिया और ठोस आधार के परिसीमन करना केवल राजनीतिक उद्देश्य साधने का प्रयास है। पायलट ने कहा कि देश की जनता सब देख रही है और समझ रही है कि भाजपा अपने राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के लिए किस प्रकार के रास्ते अपना रही है। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मर्यादा बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है और जनादेश के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ लोकतंत्र के लिए उचित नहीं मानी जा सकती

पंजाब के किसानों ने एमएसपी की कानूनी गारंटी के लिए राज्यपाल को दिया मांग पत्र

चंडीगढ़ (हिंस)। संयुक्त किसान मोर्चा (पंजाब) के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों को लेकर शुक्रवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ बैठक करके विभिन्न मुद्दों एवं मांगों संबंधी ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने एमएसपी की कानूनी गारंटी, किसानों-मजदूरों की कर्जमुक्ति, जल संसाधनों के संरक्षण, फसल बीमा, भूमि अधिग्रहण, किसान आंदोलनों से जुड़े मामलों की वापसी तथा कृषि क्षेत्र से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों को उठाया। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उठाए गए सभी मुद्दों और मांगों को वह व्यक्तिगत रूप से पंजाब सरकार तथा भारत सरकार के समक्ष उठाएंगे और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब की कृषि, जल संसाधन तथा किसानों की आजीविका से जुड़े विषय अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इन पर गंभीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने संयुक्त किसान मोर्चा से आग्रह किया कि वे अपनी मांगों के साथ-साथ उनके व्यावहारिक एवं दीर्घकालिक समाधान संबंधी विस्तृत सुझाव भी उपलब्ध करवाएं, ताकि उन्हें संबंधित सरकारों के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सके। राज्यपाल ने यह भी जानकारी दी कि चंडीगढ़ में किसान नेताओं के विरुद्ध दर्ज एफआईआर वापस लेने संबंधी प्रस्ताव भारत के महामहिम राष्ट्रपति जी की स्वीकृति हेतु भेजा जा चुका है तथा इस संबंध में आवश्यक प्रक्रिया जारी है। संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल द्वारा किसानों के मुद्दों को गंभीरता से सुनने तथा उन्हें संबंधित सरकारों के समक्ष उठाने के आश्वासन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

पंजाब में रेलवे ट्रैक को निशाना बनाने में शामिल केजेडएफ के दो गुर्गे मलेशिया से लाए गए

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) से जुड़े दो वांछित गुर्गों को मलेशिया से प्रत्यर्पण कराया है। पंजाब पुलिस ने दोनों को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया और आगे की जांच के लिए उन्हें पंजाब लेकर आई है। पंजाब पुलिस इन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि अंबाला निवासी गुरविंदर सिंह और पटियाला निवासी मनजीत सिंह पंजाब में समर्पित माल कॉरिडोर लाइनों सहित महत्वपूर्ण रेलवे बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने में शामिल केजेडएफ समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल के मलेशिया आधारित कार्यकर्ता हैं। यह कार्रवाई इसी साल 23 जनवरी को सरहिंद रेलवे लाइन पर हुए आईईडी विस्फोट तथा 27 अप्रैल को पटियाला के शंभू में उसी रेलवे लाइन पर विस्फोट करने के प्रयास के मामले में चार कट्टरपंथियों की गिरफ्तारी के बाद की गई है। पंजाब पुलिस ने इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था। जांच के दौरान पुलिस टीमों ने इनके कब्जे से एक रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) लांचर, 2.296 किलोग्राम वजन का एक धातुयुक्त आईईडी, डेटोनेटर और बैटरी, 1.456 किलोग्राम वजन के आरडीएक्स के दो पैकेट, दो हैंड ग्रेनेड, छह आधुनिक पिस्तौलें तथा उनके मैगजीन और कारतूस बरामद किए थे। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फैली इस साजिश की जांच के दौरान मलेशिया से संचालित केजेडएफ हैंडलरों और वित्तीय सहायता प्रदान करने वालों की संलिप्तता का खुलासा हुआ है।

जोधपुर पहुंची कर्मचारी जागृति यात्रा

जोधपुर (हिंस)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के प्रदेश अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में दौसा से प्रारंभ हुई कर्मचारी जागृति यात्रा राजस्थान के विभिन्न जिलों का भ्रमण करते हुए शुक्रवार को जोधपुर पहुंची। इस अवसर पर रातानाडा भाटी चौराहा स्थित ड्राइवरों की प्याऊ सभागार में एक कर्मचारी सभा का आयोजन किया गया। सभा में जोधपुर जिले के समस्त पदाधिकारी, संगठन के सदस्य, कर्मचारी एवं पेंशनर मौजूद रहे। इस दौरान कर्मचारियों की मांगों को लेकर चर्चा की गई। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में आरजीएचएस की जटिलताओं को समाप्त करना एवं इसे निजी बीमा कंपनियों के हाथों सौंपने का विरोध, समर्पित अवकाश का लंबित भुगतान शीघ्र प्रारंभ करना, संविदा एवं निविदा कर्मचारियों को नियमित कर कर्मचारी का दर्जा देना तथा सरकार को सत्ता में

आने के समय प्रस्तुत किए गए 25 सूत्रीय मांग पत्र पर शीघ्र कार्रवाई करना शामिल है। महासंघ का कहना है कि 25 सूत्रीय मांग पत्र में कर्मचारियों एवं पेंशनरों के सभी वर्गों की समस्याओं और मांगों को शामिल किया गया है। इनमें आंगनबाड़ी कर्मचारियों, समाज कल्याण विभाग के रसोइयों एवं चौकीदारों, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के स्वयंसेवकों को नियमित कर कर्मचारी का दर्जा देना, मंत्रालयिक कर्मचारियों को प्रथम एसीपी में ग्रेड पे 2800 के स्थान पर 4200 देना, समयबद्ध पदोन्नति, वाहन चालकों के रिक्त पद भरना तथा रोडवेज को राज्य सरकार के विभाग का दर्जा देने जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं। महासंघ ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर : डॉ. सत्य नारायण गुप्ता

प्रयागराज (हिंस)। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की प्रगति देश को वैश्विक तकनीकी महाशक्ति में परिवर्तित करने की क्षमता रखती है, जो आर्थिक विकास, नवाचार तथा राष्ट्रीय रणनीतिक क्षमताओं को नई दिशा प्रदान करेगी। उक्त विचार वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. सत्य नारायण गुप्ता ने शुक्रवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद में आयोजित एक माह के वीएलएसआई डिजाइन समर ट्रेनिंग प्रोग्राम के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किए। मुख्य वक्तव्य देते हुए डॉ. गुप्ता ने *वीएलएसआई इंडस्ट्री इनसाइट्स : ट्रेंड्स एंड ऑपर्च्युनिटीज* विषय पर वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में हो रहे नवीनतम विकास, चिप डिजाइन की उभरती प्रवृत्तियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हार्डवेयर तथा कुशल वीएलएसआई पेशेवरों की बढ़ती मांग पर प्रकाश डाला। उन्होंने सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजाइन ऑटोमेशन, एम्बेडेड सिस्टम तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में उपलब्ध व्यापक संभावनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में भारत की भूमिका निरंतर मजबूत हो रही है। डॉ. गुप्ता ने भारत सरकार द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय मिशनों के अंतर्गत सेमीकंडक्टर विनिर्माण एवं नवाचार को बढ़ावा देने हेतु की

जा रही पहलों की भी जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को मजबूत बुनियादी ज्ञान विकसित करने, नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने तथा भारत को सेमीकंडक्टर डिजाइन एवं विकास का अग्रणी केंद्र बनाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए ट्रिपल आईटी के निदेशक प्रो. मुकुल शरद सुतावणे ने कहा कि सेमीकंडक्टर उद्योग भविष्य की प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास को आकार देने में रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत निरंतर निवेश, प्रभावी नीतिगत समर्थन तथा उच्च कौशलयुक्त मानव संसाधन के विकास के माध्यम से इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रिपल आईटी इलाहाबाद जैसे संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे प्रतिभाओं को विकसित करें और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचार को प्रोत्साहित करें। निदेशक ने विश्वास व्यक्त किया कि वीएलएसआई डिजाइन समर ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रतिभागियों को समकालीन वीएलएसआई तकनीकों, डिजाइन पद्धतियों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से परिचित कराएगा। यह कार्यक्रम शैक्षणिक अध्ययन और औद्योगिक आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करते हुए विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता और तकनीकी दक्षता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम वीएलएसआई और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में क्षमता निर्माण को बढ़ावा देगा तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्व दिलाने की राष्ट्रीय परिकल्पना को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. मनीष गोस्वामी ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, बिहार, दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों से 80 से अधिक बीटेक एवं बीई छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। एक माह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान, प्रयोगशाला आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण, कार्यशालाएं तथा शिक्षाविदों एवं उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में एनालॉग एवं डिजिटल आईसी डिजाइन, वेरिलॉग एचडीएल के माध्यम से एफपीजीए कार्यान्वयन, कैडेंस और सिनॉप्सिस जैसे उद्योग-मानक इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन टूल्स पर प्रशिक्षण तथा सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्रक्रियाओं का परिचय शामिल है। ट्रिपल आईटी के पीआरओ डॉ. पंकज मिश्र ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवा पेशेवरों को वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन डिजाइन तथा सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में उन्नत ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है।

राजस्थान में तबादलों से बैन हटा पांच जुलाई तक होंगे ट्रांसफर

जयपुर (हिंस)। राजस्थान सरकार ने लंबे इंतजार के बाद सरकारी कर्मचारियों के तबादलों पर लगी रोक हटा दी है। सरकार ने 19 जून से 5 जुलाई तक यानी 16 दिनों के लिए ट्रांसफर-पोस्टिंग पर लगा बैन हटाने का आदेश जारी किया है। पिछले कई महीनों से कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच तबादलों को लेकर चल रही चर्चाओं पर सरकार के इस फैसले से विराम लग गया है। आदेश के अनुसार, तबादलों में एकल महिला, विधवा, परित्यक्ता तथा कैंसर, हृदय रोग, दिमाग, फेफड़े और किडनी जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाएगी। यह आदेश सरकारी विभागों के साथ-साथ निगमों, बोर्डों और स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मचारियों पर भी लागू होगा। हालांकि सरकार ने दो प्रमुख विभागों को तबादला प्रक्रिया से अलग रखा है। शिक्षा विभाग में कार्यरत तृतीय श्रेणी शिक्षकों (ग्रेड थर्ड टीचर्स) और चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों के तबादले नहीं किए जाएंगे। चिकित्सा विभाग में नर्सिंग ऑफिसर, लैब टेक्नीशियन, डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी इस प्रक्रिया से बाहर रहेंगे। गौरतलब है कि तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों पर वर्ष 2018 से ही रोक लगी हुई है। शिक्षक संगठन लगातार इस रोक को हटाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन इस बार भी सरकार ने उनके तबादलों पर लगी रोक बरकरार रखी है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग में तबादलों से बैन नहीं हटाने के पीछे मौसमी बीमारियों के बढ़ते मामलों को प्रमुख कारण बताया जा रहा है। सरकार का मानना है कि बड़ी संख्या में स्वास्थ्यकर्मियों के तबादले होने से अस्पतालों की व्यवस्थाएं प्रभावित हो सकती हैं, इसलिए इस विभाग को फिलहाल तबादला प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। तबादलों में जनप्रतिनिधियों की सिफारिशों को भी महत्व मिल सकता है। शिक्षा, पुलिस, बिजली, वित्त और अन्य जनसरोकार से जुड़े विभागों में तबादलों की मांग सबसे अधिक बताई जा रही है। भाजपा विधायक भी पिछले कई महीनों से तबादलों पर लगी रोक हटाने की मांग लगातार उठा रहे थे। पार्टी की विभिन्न बैठकों और विधायक दल की बैठकों में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया गया था। अब बैन हटने के बाद सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों में तबादलों को लेकर गतिविधियां तेज होने की संभावना है और आगामी दिनों में विभिन्न विभागों में तबादलों की सूची जारी होने का सिलसिला शुरू हो सकता है। धौलपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *स्वस्थ भारत* के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने एवं स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भाजपा महिला मोर्चा की धौलपुर जिला इकाई के तत्वावधान में शुक्रवार को *कम तेल की थाली, स्वस्थ भारत की खुशहाली* कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बैंक आफॅ इंडिया के सोना गायब प्रकरण में चार अभियुक्त गिरफ्तार

फिरोजाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद फिरोजाबाद के थाना अराँव पुलिस टीम ने शुक्रवार को ग्राम भारौल स्थित बैंक ऑफ इंडिया शाखा में रखे करोड़ों के 96 गोल्ड पैकेट्स का गबन करने के प्रकरण में चार अभियुक्त को गिरफ्तार किया है जबकि पुलिस ब्रांच मैनेजर सहित तीन को एक दिन पूर्व ही जेल भेज चुकी है। अब तक इस मामले में कुल सात आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है लेकिन ताज्जुब की बात यह है? कि बैंक प्रबंधन सिर्फ 96 पैकेट गायब होने की प्राथमिकी दर्ज करा रहा है लेकिन इनके वजन व कीमत के बारे में चुप्पी साधे है और पुलिस भी उसी हिसाब से जांच कर रही है। पुलिस बरामदगी सामान के वजन व कीमत का सही जानकारी नहीं दे पा रही है। थाना प्रभारी अरांव ऋषि कुमार ने बताया कि शुक्रवार को ग्राम भारौल स्थित बैंक ऑफ इंडिया शाखा में गबन करने वाले मुकदमे में वांछित 04 अभियुक्त राहुल पुत्र ओम प्रकाश निवासी ग्राम बासगांव पोस्ट राहिन बसरेहर जिला इटावा हाल निवासी नगला कुंवरप्रसाद कस्बा व थाना शिकोहाबाद, भानू प्रताप सिंह पुत्र विनोद कुमार निवासी मोहल्ला यादव कालोनी कस्बा व थाना शिकोहाबाद, अंकुर पुत्र गिरीश चन्द्र निवासी बड़ा बाजार कस्बा व थाना शिकोहाबाद व रिषभ पुत्र रामकुमार निवासी मोहल्ला गढैया बड़ा बाजार कस्बा व थाना शिकोहाबाद को चौहान ढाबा के पास से गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि सभी के विरुद्ध कार्यवाही कर इन्हें जेल भेजा है। बैंक ऑफ इंडिया की भरौल शाखा से ग्राहकों का करोड़ों रुपए का सोना गबन होने का मामला बुधवार को सामने आया था। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार बैंक शाखा के स्टाफ और मुख्य चाबी धारक दिलीप कुमार निवासी गांव बासगांव, बकेवर, इटावा पिछले 27 मई से बिना बताए अनुपस्थित था। जिससे तिजोरी से संबंधित कार्य ठप था। उससे कोई संपर्क न होने पर संदेह हुआ। इसलिए मामले की जानकारी आगरा कार्यालय को दी गई। इसके बाद 15 जून को वरिष्ठ सुरक्षा प्रबंधक अंकित और घिरोर शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कुमार को भरौल भेजा गया।

बिहार में बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों का तबादला, कई जिलों के जिलाधिकारी बदले

पटना (हिंस)। बिहार सरकार ने राज्य में बड़े पैमाने पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों का तबादला किया है। पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, नालंदा समेत कई जिलों के जिलाधिकारी भी बदले गए हैं। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस बारे में अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आनंद किशोर को अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के पद पर पदस्थापित किया गया है। रॉबर्ट एल चोंग्यू को स्थानांतरित करते हुए प्रधान सचिव, संसदीय कार्य विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। मो. सोहैल को स्थानांतरित करते हुए सचिव, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। साथ ही, मो. सोहैल सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग एवं जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार,के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगें। त्यागराजन एस.एम. को स्थानांतरित करते हुए अध्यक्ष बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। त्यागराजन विशेष सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार, 2 पटना के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। नवीन कुमार को स्थानांतरित करते हुए विशेष सचिव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। श्री कुमार प्रभारी सचिव, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग, प्रभारी सचिव सूचना एवं जनसंपर्क विभाग और प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेगे। इस व्यवस्था के आलोक में श्री अजय यादव सचिव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग और प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना और चन्द्रशेखर सिंह सचिव, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिहार, पटना के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त हो जाएंगे। कुंदन कुमार को स्थानांतरित करते हुए समाहर्त्ता एवं जिला पदाधिकारी, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (एक्ट-46, 2023) की धारा-14 के अधीन संबंधित जिला का जिला दंडाधिकारी भी नियुक्त किया गया है। सुब्रत कुमार सेनको स्थानांतरित करते हुए प्रबंध निदेशक, बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। इस व्यवस्था के आलोक में अमित कुमार पाण्डेय, प्रबंध निदेशक, बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड, पटना के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त हो जाएंगे। धर्मेन्द्र कुमार को स्थानांतरित करते हुए अध्यक्ष, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। इस व्यवस्था के आलोक में चन्द्रशेखर सिंह अध्यक्ष, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड, पटना के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त हो जाएंगे। छिरिङ्वाई भूटिया को स्थानांतरित करते हुए समाहर्ता एवं जिला पदाधिकारी, जहानाबाद के पद पर पदस्थापित किया गया है। उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिता, 2023 (एक्ट-46, 2023) की धारा-14 के अधीन संबंधित जिला का जिला दंडाधिकारी भी नियुक्त किया गया है। उदिता सिंह को स्थानांतरित करते हुए समाहर्त्ता एवं जिला पदाधिकारी, नालन्दा (बिहार शरीफ) के पद पर पदस्थापित करते हुए उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (एक्ट-46, 2023) की धारा-14 के अधीन संबंधित जिला का जिला दंडाधिकारी भी नियुक्त किया गया है। सौरभ जोरवाल को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक प्रबंध निदेशक, साउथ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। इस व्यवस्था के आलोक में राहुल कुमार, प्रबंध निदेशक, साउथ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड, पटना के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त हो जाएंगे। अंशुल अग्रवाल, को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक समाहर्ता एवं जिला पदाधिकारी, बांका के पद पर पदस्थापित करते हुए उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (एक्ट-46, 2023) की धारा-14 के अधीन संबंधित जिला का जिला दंडाधिकारी भी नियुक्त किया गया है। अलंकृता पाण्डेय को स्थानांतरित करते हुए समाहर्ता एवं जिला पदाधिकारी, भागलपुर के पद पर पदस्थापित करते हुए उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (एक्ट-46, 2023) की धारा-14 के अधीन सबंधित जिला का जिला दंडाधिकारी भी नियुक्त किया गया है। कुमार गौरव को स्थानांतरित करते हुए समाहर्ता एवं जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर के पद पर पदस्थापित करते हुए उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (एक्ट-46, 2023) की धारा-14 के अधीन संबंधित जिला का जिला दंडाधिकारी भी नियुक्त किया गया है। समीर सौरभ को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक समाहर्त्ता एवं जिला पदाधिकारी, गोपालगंज के पद पर पदस्थापित करते हुए उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (एक्ट-46. 2023) की धारा-14 के अधीन संबंधित जिला का जिला दंडाधिकारी भी नियुक्त किया गया है। सौरभ सुमन यादव को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक समाहर्त्ता एवं जिला पदाधिकारी, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के पद पर पदस्थापित करते हुए उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (एक्ट-46, 2023) की धारा-14 के अधीन संबंधित जिला का जिला दंडाधिकारी भी नियुक्त किया गया है। इस स्थानांतरण के आलोक में मुकेश कुमार लाल (आई.ए.ए.एस.), विशेष सचिव, वित्त विभाग, बिहार, पटना अगले आदेश तक निदेशक, कृषि, बिहार, पटना के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। डॉ. प्रीति, उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, जहानाबाद को स्थानांतरित करते हुए निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस), बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। डॉ. प्रीति अगले तक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, बिहार, पटना के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगी। नवीन कुमार को स्थानांतरित करते हुए समाहर्ता एवं जिला पदाधिकारी, किशनगंज के पद पर पदस्थापित करते हुए उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (एक्ट-46, 2023) की धारा-14 के अधीन संबंधित जिला का जिला दंडाधिकारी भी नियुक्त किया गया है।

भारत–ब्रिटेन के बीच एफटीए 15 जुलाई से होगा लागू, व्हिस्की व ब्यूटी प्रोडक्ट होंगे सस्ते

इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार में हर साल 25.5 अरब पाउंड की होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली

भारत–ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौता लागू होने की तारीख का ऐलान कर दिया है। अगले महीने 15 जुलाई से ये प्रभावी हो जाएगा। एफटीए लागू होने के साथ ही आयात–निर्यात किए जाने वाले सामनों पर भारी टैरिफ कटौती भी देखने को मिलेगी। समझौते के तहत भारत में व्हिस्की पर लगने वाला टैरिफ 150फीसदी से घटकर सिर्फ 40फीसवदी हो जाएगा। इसके साथ ही ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि लान्गटर्म में इस करार से द्विपक्षीय व्यापार में प्रति वर्ष 25.5 अरब पाउंड की बढ़ोतरी होगी। दोनों देशों ने इस एफटीए का ऐलान करते हुए कहा कि द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के लिए ये मील का पत्थर साबित होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूएस सरकार की ओर से कहा गया है कि भारत–ब्रिटेन के व्यवसायों को अब समझौते को लागू करने की तैयारी के लिए 28 दिन का समय दिया गया है, जिसके बाद वे नई शर्तों के तहत व्यापार कर सकेंगे। ब्रिटिश अनुमानों के मुतारबिक इस समझौते से ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में 4.8 अरब पाउंड का इजाफा होगा और वास्तविक वेतन में 2.2 अरब पाउंड की वृद्धि देखने को मिलेगी। लंदन इस समझौते को भारत द्वारा अब तक लागू किया गया सबसे बड़ा व्यापक व्यापार समझौता बता रहा है। एफटीए लागू होने के बाद जो चीजें सस्ती होंगी। उनमें सबसे ज्यादा लाभ ब्रिटेन के स्काच व्हिस्की बिजनेस को होगा। भारत ने व्हिस्की पर आयात शुल्क 150फीसदी से घटाकर 40फीसदी करने पर सहमति जताई है। इसके अलावा कोटा व्यवस्था के तहत आटोमोबाइल पर टैरिफ भी 100फीसदी से घटाकर सिर्फ 10फीसदी कर दिया जाएगा। ब्यूटी प्रोडक्ट्स समेत कई अन्य उत्पादों पर लगने वाले 22फीसदी तक के टैरिफ को या तो एफटीए के तहत तत्काल या फिर 10 सालों तक की अवधि में खत्म कर दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर ब्रिटेन भारतीय निर्यात पर टैरिफ कट या इसे कम करेगा। इनमें कपड़े, जूते और कुछ फूड प्रोडक्ट्स शामिल हैं। इस कदम से उपभोक्ताओं के लिए कीमतें कम होंगी और उन्हें ज्यादा विकल्प मिलेंगे। ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मामलों के राज्य सचिव पीटर काइल ने कहा कि हम भारत के साथ अपने ऐतिहासिक व्यापार समझौते को जितनी जल्दी हो सके लागू कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईटी क्षेत्र में भारी गिरावट से बाजार में हड़कंप, सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा लुढ़का] निफ्टी 24,000 के नीचे

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को जोरदार गिरावट दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में तेज बिकवाली थी। वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज एक्सेंचर के निराशाजनक राजस्व अनुमानों ने आईटी सेक्टर की भविष्य की वृद्धि को लेकर निवेशकों की चिंताएं बढ़ा दीं, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी दिखा। बाजार खुलते ही प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट देखने को मिली और दिनभर दबाव बना रहा। सुबह शुरुआत में बाम्बे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 76,706.86 पर आ गया। वहीं नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 इंडेक्स 191.45 अंक गिरकर 23,976.55 पर कारोबार कर रहा था। एक्सेंचर द्वारा जारी कमजोर राजस्व अनुमानों के बाद वैश्विक स्तर पर आईटी कंपनियों की ग्रोथ आउटलुक पर सवाल उठने लगे, जिसका सीधा असर भारतीय आईटी कंपनियों के शेयरों पर देखा गया। बाजार में सबसे ज्यादा दबाव आईटी सेक्टर पर रहा, जहां निफ्टी आईटी इंडेक्स में करीब 6 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट में दिग्गज आईटी कंपनियों जैसे इंफोसिस, टेक महिंद्रा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर सबसे आगे रहे, जिन्होंने निवेशकों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। व्यापक बाजार में भी कमजोरी का माहौल रहा, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.55 प्रतिशत और निफ्टी स्मालकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहे थे।

हुंडई ने किया आई20 का नया चौथा-जेनरेशन माडल बाज़ार में पेश

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी हुंडई ने अपनी हैचबैक कार, आई20 का बिल्कुल नया, चौथा–जेनरेशन माडल वैश्विक बाज़ार में पेश कर दिया है। सबसे रोमांचक खबर यह है कि इस कार को जल्द ही 48–वोल्ट की माइल्ड–हाइब्रिड और स्ट्रान्ग–हाइब्रिड पावरट्रेन मिलने की उम्मीद है, जिससे इसका माइलेज शानदार हो जाएगा। कंपनी ने इसे हाल ही में ब्राजील में लान्च किया है। नई आई20 का डिजाइन बेहद आकर्षक और मस्कुलर है। इसमें आगे और पीछे दोनों तरफ पूरी चौड़ाई को कवर करने वाली चमचमाती कनेक्टेड एलईडी लाइट बार दी गई है, जो रात के वक्त गजब का लुक देती है। साथ ही, कार के चारों तरफ दी गई ब्लैक बाडी क्लैडिंग और नए स्टाइल के अलाय व्हील्स इसे एक दमदार और ऊंची गाड़ियों वाला स्टांस देते हैं। बड़े साइज के कारण अब इसके केबिन में पहले से ज्यादा खुला स्पेस और सामान रखने के लिए बड़ा बूट स्पेस मिलता है। इंटीरियर में पूरी तरह बदला हुआ केबिन है, जिसमें 12.3–इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट और 12.3–इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले एक साथ जुड़े हुए मिलते हैं। फीचर्स में इन–बिल्ट 5जी कनेक्टिविटी, वायरलेस चार्जर, इलेक्ट्रानिक पार्किंग ब्रेक, पैडल शिफ्टर्स और हुंडई के इतिहास में पहली बार ओवर–द–एयर (ओटीए) साफ्टवेयर अपडेट की सुविधा शामिल है। वर्तमान में इसमें 1.0–लीटर के दो पेट्रोल इंजन विकल्प (नेचुरली एस्पिरेटेड और टर्बो) उपलब्ध हैं। न्यूज वेबसाइट रशलेन के अनुसार, हाइब्रिड तकनीक के जुड़ने से यह कार न केवल दमदार परफार्मेंस देगी, बल्कि ईंधन दक्षता में भी बेजोड़ होगी।

रायल एनफील्ड को कड़ी टक्कर देने उतरी येज्दी और बीएसए

नई दिल्ली। महंगी बाइक निर्माता कंपनी रायल एनफील्ड को कड़ी टक्कर देने के लिए, येज्दी और बीएसए अब भारतीय बाजार में एंट्री करने वाली है। रायल एनफील्ड को टक्कर देने अपनी नई येज्दी स्क्रैम्बलर 350 और बीएसए स्क्रैम्बलर 650 की रिटेल बिक्री नई दिल्ली में अपने आफिशियल डीलरशिप पर शुरू कर दी है। ये ब्रांड अपनी मूल स्क्रैम्बलर विरासत को आगे बढ़ाते हुए, उन राइडर्स के लिए दो बेहतरीन मोटरसाइकिलें लेकर आए हैं जो शहरों में सहज, हाईवे पर संतुलित और उबड़–खाबड़ रास्तों पर रोमांचक सवारी चाहते हैं। येज्दी स्क्रैम्बलर 350 और बीएसए स्क्रैम्बलर 650 में खास तौर से तैयार किए गए पावरट्रेन और मजबूत, आकर्षक डिज़ाइन दिया गया है। येज्दी स्क्रैम्बलर 350 भारत की सबसे हल्की 350सीसी स्क्रैम्बलर है, जिसे शहरी आवागमन और वीकेंड के सफर दोनों के लिए इंजीनियर किया गया है।

पश्चिम एशिया संकट बेअसर भारत में रेमिटेंस की बंपर आवक

अप्रैल में 16 अरब डालर पहुंचा धन प्रेषण, वित्त वर्ष 26 में 144.79 अरब डालर के ऐतिहासिक स्तर पर

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू–राजनीतिक संकट और खाड़ी क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों की बाधाओं के बावजूद भारत को विदेशों में रह रहे भारतीय प्रवासियों से धन प्रेषण (रेमिटेंस) लगातार मजबूत बना हुआ है। बैंकरों का मानना है कि प्रवासियों द्वारा अनिश्चितता के दौरान एहतियाती तौर पर अधिक धन भेजने, अनुकूल विनिमय दरों और नए स्रोतों से मिलने वाले लाभ ने इस वृद्धि को रफ्तार दी है। भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 के अप्रैल में शुद्ध धन प्रेषण 16 अरब डालर के प्रभावशाली स्तर पर पहुंच गया, जो पिछली तिमाही के मासिक औसत से काफी अधिक है। निजी क्षेत्र के एक वरिष्ठ बैंकर ने बताया कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के बावजूद रेमिटेंस काफी दमदार रहा है। अप्रैल में इसकी रफ्तार काफी मजबूत दिखी थी, जो मई और जून के पहले पखवाड़े तक जारी रही। इस अवधि में सालाना और महीने के आधार पर आवक में दमदार वृद्धि बरकरार रही। बैंकरों ने इस बात पर जोर दिया कि कई लोगों द्वारा जताई गई आशंकाओं के विपरीत, पश्चिम एशिया संघर्ष का रेमिटेंस पर कोई खास प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। इसके उलट, अनिश्चितता के दौरान प्रवासी कामगार अक्सर अपने परिवारों को अधिक धन भेजते हैं, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। साथ ही अनुकूल विनिमय दरें भी उच्च प्रेषण को प्रोत्साहित कर रही हैं। भारत को धन प्रेषण के नए स्रोत बनने का लाभ भी मिल रहा है, जिससे इसकी मजबूती बरकरार है। हालांकि, बैंकरों ने आने वाले महीनों में कुछ नरमी की आशंका भी जताई है, क्योंकि मौजूदा रफ्तार अनिश्चित काल तक बरकरार रहने की संभावना नहीं है। भू–राजनीतिक तनाव कम होने पर धन प्रेषण की गति सामान्य हो सकती है। फिर भी, वित्त वर्ष 2027 में रेमिटेंस पिछले साल के मुकाबले अधिक रहने की उम्मीद है और कुल मिलाकर यह मोटे तौर पर स्थिर बना रहेगा। एक अन्य बैंकर के अनुसार क्षेत्रीय तनाव कम होने पर भी धन प्रेषण की रफ्तार सुस्त पड़ सकती है, लेकिन खाड़ी देशों में पुनर्निर्माण और निर्माण गतिविधियों से रोजगार के अतिरिक्त अवसर पैदा हो सकते हैं, जिससे मध्यावधि में धन प्रेषण को और रफ्तार मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में मासिक औसत आवक 13.7 अरब डालर थी, जबकि अप्रैल 2027 में यह 16 अरब डालर रही। यह इस बात का प्रमाण है कि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र में उत्पादन गतिविधियां प्रभावित होने के बावजूद धन प्रेषण पर प्रभाव फिलहाल मामूली रहा है। पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में धन प्रेषण लगातार बढ़ा है, जो वित्त वर्ष 2021 के 74.44 अरब डालर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 144.79 अरब डालर तक पहुंच गया है।

जियो आईपीओ की लिस्टिंग डेट का ऐलान हो सकता है : रिलायंस की 49वीं एजीएम में मिलेगा बड़ा संकेत; रिटेल के आईपीओ पर भी नजर

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज अपनी 49वीं एनुअल जनरल मीटिंग होगी। इस बार निवेशक किसी नए बिजनेस के ऐलान के बजाय इस बात पर क्लैरिटी चाहते हैं कि जियो प्लेटफार्म्स की लिस्टिंग कब होगी। पिछले साल रिलायंस ने इस आईपीओ का ऐलान किया था और संकेत दिया था कि जियो को 2026 की पहली छमाही में लिस्ट किया जा सकता है। रिलायंस रिटेल के आईपीओ का भी ऐलान हो सकता है जियो के साथ–साथ, निवेशक रिलायंस रिटेल के संभावित आईपीओ को लेकर भी संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। नए स्टोर खोलने, लगातार बढ़ती ग्राहकों की संख्या और डिजिटल व क्विक–कामर्स चैनलों मे ग्रोथ के दम पर रिटेल बिजनेस ग्रुप के सबसे अहम ग्रोथ इंजनों में से एक बनकर उभरा है।

एसयूवीकोडियाक आरएस होगी 22 जून को पेश

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी स्कोडा आटो इंडिया अपनी परफारमेंस एसयूवी, कोडियाक आरएस, को 22 जून को पेश करने वाली है। इसकी लीक तस्वीरें देखकर आरएस बैज वाली एसयूवी स्कोडा की सबसे बेहतरीन पेशकश मानी जा रही है, जो ब्रांड की 50 सालों से अधिक पुरानी आरएस विरासत और 125 सालों के मोटरस्पोर्ट इतिहास को आगे बढ़ाएगी।

लीक हुई तस्वीरों में कोडियाक आरएस शानदार लाल रंग में दिखी है, जिसमें आरएस ग्रिल, फ्रंट–सीट मोटिफ्स पर लाल सिलाई और पिछले हिस्से पर बीआरएस बैज लगे हैं। सिग्नेचर आरएस ग्रिल के साथ इसका अगला हिस्सा अब स्टैंडर्ड कोडियाक के मुकाबले बड़े एयर वेंट्स के साथ ज्यादा स्पोर्टी दिखता है। यह दमदार परफार्मेंस, शानदार मोटरस्पोर्ट कैरेक्टर, 7–सीटर लग्जरी की मल्टी–यूटिलिटी और 4गुणा4 टेक्नोलाजी से लैस बेहतर आल–टेरेन कैपेसिटी का बेहतरीन मेल है। इसमें हैंकूक के 20–इंच के टायर, लाल ब्रेक कैलिपर्स वाले सिग्नेचर आरएस अलाय व्हील्स और लेदर अपहोल्स्ट्री पर लाल सिलाई ध्यान आकर्षित करती है। केबिन में 13–इंच की इंफोटेनमेंट स्क्रीन भी दी गई है। कोडियाक आरएस में 2.0–लीटर टीएसआई इंजन और 7–स्पीड डीएसजी गियरबाक्स का सेटअप है, जो 261 बीएचपी की पावर और 400 एनएम का टार्क जनरेट करता है। यह स्टैंडर्ड वर्जन (201 बीएचपी) से कहीं ज्यादा शक्तिशाली है और मात्र 6.3 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। अब कोडियाक आरएस, जो भारत में प्रतिष्ठित आरएस बैज पाने वाली पहली 7–सीटर एसयूवी और देश की अब तक की सबसे तेज स्कोडा है, इस विरासत को आगे बढ़ाएगी। स्कोडा आटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने बताया कि आक्टाविया आरएस की सभी यूनिट्स पिछले साल केवल 20 मिनट में बिक गई थीं, जिसने आटोमोबाइल उत्साहियों के बीच इसकी खास लोकप्रियता को साबित किया।

आगामी 2 माह में 6 नई धांसू एसयूवी एंट्री के लिए तैयार

नई दिल्ली। कई कार निर्माता कंपनियां भारतीय आटोमोबाइल बाजार में तेजी से नए माडल लान्च कर रही हैं। आगामी दो महीने 6 नई धांसू एसयूवी भारतीय सड़कों पर दस्तक देने के लिए बिल्कुल तैयार हैं, जिनमें कई इलेक्ट्रिक माडल भी शामिल हैं। इनमें सबसे बड़ा नाम टाटा सिएरा ईवी का है, जो 90 के दशक की मशहूर सिएरा का आधुनिक इलेक्ट्रिक अवतार है। टाटा मोटर्स इसे इसी महीने के अंत तक पेश करेगी, जिसमें 55 केडब्ल्यूएच से लेकर 75 केडब्ल्यूएच तक के बड़े बैटरी पैक मिल सकते हैं, जो एक बार चार्ज करने पर करीब 500 से 600 किलोमीटर की रेंज देंगे। होंडा जुलाई में अपनी नई फ्लैगशिप हाइब्रिड एसयूवी, जेडआर–वी लान्च करने वाली है। यह प्रीमियम गाड़ी 2.0–लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन, 22.80 किमी प्रति लीटर का माइलेज, पैनोरमिक सनरूफ और एडीएएस (अडास) जैसी एडवांस्ड टेक्नोलाजी से लैस होगी। निसान की नई मिड–साइज एसयूवी टेक्टान (निसान टेक्टान) का 9 जुलाई को ग्लोबल डेब्यू होगा, जो आगामी रेनाल्ट डस्टर का निसान वर्जन है। इसमें 1.0–लीटर और 1.3–लीटर के टर्बो–पेट्रोल इंजन के साथ बड़ी टचस्क्रीन, वेंटिलेटेड सीट्स और पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स होंगे। आफ–रोडिंग के शौकीनों के लिए टोयोटा अपनी नई जनरेशन की हिल्क्स (टोयोटा हाईलक्स) पिक–अप एसयूवी को जुलाई या अगस्त में लान्च कर सकती है। यह अपडेटेड आईएमवी (आईएमवी) प्लेटफार्म पर आधारित होगी और इसमें पुराना व भरोसेमंद 2.8–लीटर का डीजल इंजन मिलना जारी रहेगा। किआ अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी सायरोस (किआ सिरोस ईवी) का इलेक्ट्रिक अवतार अगस्त तक मार्केट में उतारने वाली है।

सोना 2000 और चांदी 6000 रुपए से अधिक टूटी, सोना 1,47,278 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,32,371 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली

सोने और चांदी के वायदा भावों में शुक्रवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त वायदा 2,000 रुपये से अधिक और चांदी का जुलाई वायदा 6,000 रुपये से ज्यादा टूटकर कारोबार कर रहा था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुएं कमजोर नजर आईं, जिसका सीधा असर भारतीय बाजारों पर पड़ा।

घरेलू वायदा बाजार, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएकस) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कान्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 2,031 रुपये की गिरावट के साथ 1,47,278 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह 2,134 रुपये की गिरावट के साथ 1,47,175 रुपये के भाव पर खुला था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,49,309 रुपये था। दिन के कारोबार में इसने 1,47,737 रुपये का उच्च और 1,47,040 रुपये का निम्न स्तर छुआ।

इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर भी देखा है। चांदी के जुलाई वायदा अनुबंध में भी तेज गिरावट जारी रही। एमसीएक्स पर यह खबर लिखे जाने तक 6,493 रुपये की कमी के साथ 2,31,079 रुपये प्रति किलोग्राम पर था। चांदी 5,201 रुपये की गिरावट के साथ 2,32,371 रुपये पर खुली थी, जबकि पिछला बंद भाव 2,37,572 रुपये था। चांदी ने 2,33,166 रुपये का दिन का उच्च और 2,30,621 रुपये का निम्न स्तर बनाया। इस साल चांदी 4,20,048 रुपये किलो के उच्चतम स्तर को छू चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार कामेक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भावों में सुस्ती बरकरार रही। खबर लिखे जाने के समय, सोना 63.40 डालर की गिरावट के साथ 4,182.50 डालर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 1.88 डालर की कमी के साथ64.43 डालर प्रति औंस पर थी। इस साल सोने का सर्वोच्च स्तर 5,586.20 डालर और चांदी का 121.79 डालर प्रति औंस रहा है।

ई–दोपहिया वाहनों पर खत्म होगी 5,000 की सब्सिडी

आवंटन लगभग समाप्त, बजाज आटो ने 22 जून की डेडलाइन तय की

नई दिल्ली

देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों को जल्द ही अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। सरकार की पीएम ई–ड्राइव सब्सिडी योजना अपने अंतिम चरण में है, क्योंकि इसके तहत आवंटित राशि लगभग समाप्त हो चुकी है। इस स्थिति को देखते हुए, प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं ने अपने डीलरों को सभी लंबित सब्सिडी दावों को तत्काल जमा करने का निर्देश दिया है, जिससे सब्सिडी समाप्त होने से पहले अधिकतम वाहनों को इसका लाभ मिल सके। सूत्रों के अनुसार सब्सिडी समाप्त होने के बाद ग्राहकों को ई–दोपहिया के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। बजाज आटो ने 15 जून को अपने चेतक डीलरों को सभी लंबित दावों को तुरंत अपलोड करने का निर्देश दिया था, साथ ही अंतिम तारीख के बाद सब्सिडी रहित वाहनों की कीमतों की घोषणा की बात कही। टीवीएस मोटर और हीरो मोटोकार्प सहित अन्य कंपनियों ने भी अपने डीलरों को इसी तरह के निर्देश दिए हैं। भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा सितंबर 2024 में शुरू की गई पीएम ई–ड्राइव योजना के तहत, 1.5 लाख रुपये से कम कीमत वाले ई–दोपहिया पर प्रति वाहन 5,000 रुपये तक का प्रोत्साहन मिलता है। इस योजना का लक्ष्य 24.79 लाख वाहनों को सब्सिडी देना था। आंकड़ों के अनुसार, 15 जून तक लगभग 23.29 लाख वाहनों को पहले ही प्रोत्साहन मिल चुका है, जिससे केवल लगभग 1.5 लाख वाहनों के लिए सब्सिडी भुगतान मिलना बाकी है।

आईफोन समेत एपल के प्रोडक्ट्स महंगे होंगेः टिम कुक बोले- चिप की कमी से लागत बढ़ी, कीमतें बढ़ाना मजबूरी; अन्य कंपनियां बढ़ा चुकीं दाम

सैन फ्रांसिस्को। टेक कंपनी एपल जल्द ही आईफोन और अपने अन्य प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ा सकती है। कंपनी के ष्ब्म्व्ह टिम कुक ने द वाल स्ट्रीट जर्नल को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि दुनियाभर में चल रही मेमोरी और स्टोरेज चिप की कमी के कारण कंपोनेंट्स की लागत बहुत बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि, एपल अभी तक उन कंपनियों में से एक थी, जिसने मेमोरी संकट के बावजूद लान्चिंग के बाद अपने स्मार्टफोन की कीमतें नहीं बढ़ाई थीं। अब तक कंपनी बढ़ी हुई लागत का बोझ खुद उठा रही थी, लेकिन सप्लायर्स की तरफ से बढ़ते दबाव के कारण कीमतें बढ़ाना मजबूरी हो गया है। आईफोन 18 सीरीज महंगी हो सकती है, अन्य ब्रांड्स बढ़ा चुके दाम हाल ही में ऐसी रिपोर्ट आई थीं कि ज्यादा रैम होने के बावजूद नेक्स्ट जनरेशन के आईफोन 18 की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं होगी, लेकिन टिम कुक के बयान ने इन कयासों को बदल दिया है। स्मार्टफोन इंडस्ट्री में कुछ महीनों से लगातार महंगाई देखी जा रही है। शाओमी, वनप्लस, ओप्पो जैसे अन्य बड़े ब्रांड्स ने अपने हैंडसेट्स के दाम बढ़ाए हैं। इसके विपरीत एपल ने अपने फ्लैगशिप माडल्स की शुरुआती कीमतों को स्थिर रखकर बाजार में अपनी पकड़ बनाई थी, लेकिन अब इस रणनीति को बरकरार रखना मुश्किल हो रहा है।

एशियाई खेल टीम से बाहर होने पर मनिका बत्रा ने उठाए सवाल, चयन प्रक्रिया पर मांगी पारदर्शिता

नई दिल्ली

भारतीय टेबल टेनिस की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा ने 2026 एशियाई खेलों की भारतीय टीम से बाहर किए जाने पर चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) से मामले की जांच कर चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, जवाबदेह और निष्पक्ष बनाए जाने का आग्रह किया है।

भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा घोषित टीम में पुरुष वर्ग की अगुवाई जी. साथीयन और महिला वर्ग की अगुवाई श्रीजा अकुला करेंगी। महिला टीम में श्रीजा अकुला, यशस्विनी घोरपड़े, दीया चितले, सुतीर्था मुखर्जी और सिंड्रेला दास को शामिल किया गया है। मनिका बत्रा को रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में रखा गया है।

सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में मनिका ने कहा कि टीम में शामिल नहीं किया जाना उनके लिए निराशाजनक है, लेकिन इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि चयन मानदंडों को किस प्रकार लागू किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक यह नहीं बताया गया है कि चयन से बाहर रखने का विशिष्ट कारण क्या था।

मनिका ने कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार चयन प्रक्रिया में विश्व रैंकिंग, राष्ट्रीय रैंकिंग और चयन समिति के विवेकाधिकार को आधार माना जाता है। यदि ऐसा है तो खिलाड़ियों को यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि इन सभी कारकों को किस प्रकार और कितने महत्व के साथ लागू किया गया। 31 वर्षीय मनिका ने यह भी उल्लेख किया कि उनकी वर्तमान विश्व रैंकिंग 51 है और वह शीर्ष-50 के बेहद करीब हैं। उनका कहना है कि रैंकिंग में मामूली उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और केवल इसी आधार पर उन्हें बाहर रखना समझना कठिन है। मनिका ने अपने अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि इस सत्र में उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और चीन सहित कई मजबूत एशियाई खिलाड़ियों के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत दर्ज की हैं। उनके अनुसार, उनका वर्तमान प्रदर्शन उच्च अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना हुआ है।

उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू प्रतियोगिताओं में भागीदारी को चयन का आधार बनाया गया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रतियोगिताएं खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए हर घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेना हमेशा संभव नहीं होता।

मनिका ने चयन प्रक्रिया में विवेकाधिकार के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि चयन में किसी स्तर पर विशेष अधिकार का उपयोग किया जाता है, तो उसका तरीका स्पष्ट, समान और दस्तावेजी होना चाहिए। उन्होंने महासंघ से अपने चयन न होने के कारणों, लागू मानदंडों और निर्णय प्रक्रिया का विस्तृत विवरण मांगा है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय टीम को बड़ा झटका, श्रेयंका पाटिल टखने की चोट के कारण महिला टी20 विश्व कप से बाहर

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के बीच बड़ा झटका लगा है। टीम की आफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल दाए टखने में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह युवा लेग स्पिनर प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। श्रेयंका को बुधवार को हेडिंग्ले में नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत के दूसरे ग्रुप चरण मुकाबले के दौरान चोट लगी। पावरप्ले के अंतिम ओवर में गेंद रोकने के प्रयास में उनका टखना मुड़ गया, जिसके बाद उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया। टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने शुक्रवार को श्रेयंका के स्थान पर 24 वर्षीय प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। प्रेमा रावत अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं कर सकी हैं, लेकिन घरेलू और महिला प्रीमियर लीग मे उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने पिछले दो सत्रों में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए छह महिला प्रीमियर लीग मैच खेले हैं और तीन विकेट लिए हैं। घरेलू क्रिकेट में भी प्रेमा ने उत्तराखंड को वरिष्ठ महिला चैम्पियनशिप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें एक स्वाभाविक आलराउंड खिलाड़ी माना जाता है, जो गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी योगदान दे सकती हैं। हालांकि, श्रेयंका का बाहर होना भारत के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। उनकी तेज क्षेत्ररक्षण क्षमता के अलावा वह विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों और अंतिम ओवरों में भारत की आक्रामक गेंदबाजी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा थीं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की तकनीकी समिति में आईसीसी और मेजबान प्रतिनिधियों की मंजूरी के बाद ही यह बदलाव आधिकारिक रूप से लागू किया गया।

शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाजी करते थे कुंबले, मजबूरन अपनानी पड़ी थी लेग स्पिन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले ने कहा है कि वह अपने करियर के

शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाजी करते थे पर जब उनके गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठे तो मजबूरन उन्हें लेग स्पिन अपनानी पड़ी थी। कुंबले का कहना है कि स्कूल और क्लब क्रिकेट खेलते समय वे तेज गेंदबाजी करते थे पर एक एक सीनियर खिलाड़ी ने उनके गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठा दिये थे जिसके बाद उन्हें स्पिन अपनानी पड़ी। कुंबले ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, क्लब के एक सीनियर खिलाड़ी ने कोच से मुझे गेंदबाजी करने से रोकने के लिए कहा क्योंकि उन्हें लगा कि मैं अपनी कोहनी मोड़ रहा हूं। तब मुझे पता भी नहीं चला कि मैं कोहनी मोड़ रहा हूं। मैं वैसे ही गेंदाबाजी कर रहा था जैसा मुझे स्वाभाविक लगता था। उस समय मैं लगभग 13-14 साल का था। इस आरोप के कारण मुझे कर्नाटक अंडर-15 चयन ट्रायल से कुछ सप्ताह पहले ही कोई दूसरा रास्ता निकालना था। ऐसें में उन्होंने अपने भाई से सलाह ली जिन्होंने टीम में चुने जाने की संभावना बढ़ाने के लिए उन्हें लेग स्पिन अपनाने का सुझाव दिया।
कुंबले ने कहा, फिर मुझे अंडर-15 चयन ट्रायल देने का अवसर मिला। इसमें दो माह का समय था।

फीफा वर्ल्ड कप में कनाडा की टीम ऐतिहासिक जीत के बाद कतर के खिलाड़ियों से भिड़ी

वैंकूवर। फीफा विश्वकप फुटबाल में कनाडा ने कतर के खिलाफ मुकाबले में 6-0 की बढ़ी जीत हासिल कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है हालांकि इस जीत के बाद विवाद भी उठ गया। यहां के बीसी प्लेस स्टेडियम में खेले गए इस मैच में कनाडाई टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली। मैच समाप्त होने की घोषणा होते ही दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच झड़प भी हुई। इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब कनाडा के मुख्य कोच जेसी मार्श मैच समाप्त होने के बाद कतर के मैनेजर जूलन लोपेटेगुई से हाथ मिलाने पहुंचे। हालांकि, इस दौरान दोनों के बीच बहस हो गई। इससे कतर के खिलाड़ी भड़क गये और कनाडा के कोच से उलझ गये। इस हल्की नोकझोंक के बाद दोनो टीमों के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच विवाद भड़क गया जो धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। ऐसे में सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को संभालना पड़ा और दोनों टीमों को अलग करना पड़ा। माना जा रहा है कि इस झड़प का कारण कनाडा के मिडफील्डर इस्माइल कोन को लगी चोट है। कनाडाई खिलाड़ी मानते हैं कि कतर के खिलाड़ी असिम मदीबो की टक्कर से कनाडाई खिलाड़ी घायल हुआ। इसी कारण कनाडाई खिलाड़ी काफी गुस्से में थे। दूसरे हाफ की शुरुआत में असिम मदीबो ने इस्माइल कोन पर एक खतरनाक हमला बोला।

फीफा विश्व कप : नाकआउट चरण में पहुंचने वाला पहला देश बना मेक्सिको, दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 में मेजबान मेक्सिको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और नाकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले का एकमात्र और निर्णायक गोल लुइस रोमो ने दूसरे हाफ में किया।

यह गोल दक्षिण कोरिया के गोलकीपर किम स्युंग-ग्यु की बड़ी गलती के बाद आया। दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में मेक्सिको ने बढ़त बनाई, जब एक क्रास को पकड़ने के प्रयास में किम अपने ही साथी खिलाड़ी से टकरा गए और गेंद उनके हाथ से छूट गई। मौके का फायदा उठाते हुए रोमो ने बिना किसी गलती के गेंद को खाली गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। गोल खाने के बाद दक्षिण कोरिया ने वापसी की कोशिश की। हालांकि किम ने बाद में शानदार बचाव करते हुए राउल जिमेनेज को दूसरा गोल करने से रोक दिया। मुकाबले के अंतिम क्षणों में दक्षिण कोरिया को बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेक्सिको के गोलकीपर राउल रांजेल ने यांग ह्युन-जुन के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ मेक्सिको छह अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा और अगले दौर में पहुंच गया। अब मेक्सिको अगले मुकाबले में बुधवार को एस्तादियो अज़्टेका में चेकिया का सामना करेगा। वहीं दक्षिण कोरिया, जिसके तीन अंक हैं, अपने अगले मुकाबले में मान्टेरी में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

फीफा विश्व कप 2026 के बाद जर्मनी टीम को अलविदा कहेंगे मैनुअल नेउर, विश्व कप को बताया अंतिम टूर्नामेंट

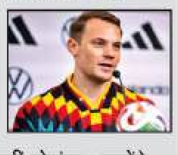

विंस्टन-सेलम। जर्मनी के अनुभवी गोलकीपर मैनुअल नेउर ने गुरुवार को घोषणा की है कि वह फीफा विश्व कप 2026 के बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लेंगे। 40 वर्षीय नेउर ने स्पष्ट किया कि यह उनके करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। साल 2014 में जर्मनी को विश्व कप जिताने वाले नेउर लगातार पांचवें विश्व कप में जर्मनी के मुख्य गोलकीपर के रूप में खेल रहे हैं। उन्होंने यूरो 2024 में जर्मनी की क्वार्टर फाइनल हार के बाद राष्ट्रीय टीम से संन्यास ले लिया था, लेकिन क्लब स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें विश्व कप के लिए फिर टीम में शामिल किया गया। नेउर ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, मैंने 2024 में सही कारणों से अंतरराष्ट्रीय फुटबाल छोड़ा था। पिछले दो वर्षों तक लगातार राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना मेरे लिए शारीरिक रूप से कठिन होता। अब यह तय है कि यह मेरा आखिरी टूर्नामेंट है। मैं दो साल बाद होने वाली अगली यूरो चैम्पियनशिप में नहीं खेलूंगा। उन्होंने कहा कि हाल के दिनो में उन्होंने यह स्वीकार किया है कि जर्मनी के लिए ये उनके अंतिम मुकाबले होंगे, लेकिन फिलहाल उनका पूरा ध्यान विदाई पर नहीं बल्कि टीम के प्रदर्शन पर है। विश्व कप से पहले गोलकीपर ओलिवर बामन को जर्मनी की पहली पसंद माना जा रहा था, लेकिन नेउर की वापसी के बाद उन्हें शुरुआती स्थान मिला। उन्होंने दो साल बाद राष्ट्रीय टीम के लिए पहला मैच खेलते हुए कुराकाओ के खिलाफ 7-1 की बड़ी जीत में हिस्सा लिया। नेउर ने बताया कि उनकी और बामन की आपसी समझ बहुत अच्छी है और दोनों टीम के हित में साथ काम कर रहे हैं। जर्मनी अब अपने अगले ग्रुप मुकाबले में आइवरी कोस्ट से भिड़ेगा। इस मैच में जीत जर्मनी को नाकआउट चरण में पहुंचा सकती है। जर्मन टीम पिछले दो विश्व कप (2018 और 2022) में ग्रुप चरण से बाहर हो गई थी। नेउर ने कहा, हम पिछली असफलताओं के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हमारा लक्ष्य अगला मैच जीतना और जल्दी नाकआउट में जगह बनाना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस उम्र में एक और विश्व कप खेलना उनके लिए किसी उपहार से कम नहीं है। साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि अगर उन्हें विश्व कप जीतने की संभावना नहीं दिखती, तो वह यहां मौजूद नहीं होते।

अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम वनडे के लिए भारतीय टीम में हर्षित राणा की वापसी

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार (19 जून) को पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा को अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले के लिए भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया है। हर्षित राणा पिछले कुछ समय से बीसीसीआई सेंटर आफ एक्सीलेंस में चोट से उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहे थे। अब उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है और वह चेन्नई में भारतीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच 20 जून को चेन्नई में तीसरा और आखिरी वनडे खेला जाएगा। 24 वर्षीय हर्षित राणा इस साल टी-20 विश्वकप से पहले अभ्यास मैच के दौरान घुटने की चोट का शिकार हो गए थे, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। उनकी जगह टीम में मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया था। चोट के कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भी हिस्सा नहीं ले सके और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मैदान पर नहीं उतर पाए। हालांकि लंबे पुनर्वास के बाद राणा को इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों की संभावित योजनाओं में भी शामिल किया गया था। अब उनकी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी चेन्नई वनडे से ही हो सकती है, यदि उन्हें अंतिम एकादश में मौका मिलता है। हर्षित राणा ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला टी-20 विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम वनडे में उन्होंने तीन विकेट लेने के साथ निचले क्रम में 43 गेंदों पर 52 रन भी बनाए थे। अब तक खेले 14 वनडे मुकाबलों में वह 26 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। भारत फिलहाल तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाए हुए है। टीम ने धर्मशाला और लखनऊ में खेले गए पहले दो मुकाबले जीत लिए थे। श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मुकाबला शनिवार (20 जून) को चेन्नई में खेला जाएगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा।

फीफा विश्व कप 2026: स्विट्ज़रलैंड ने बोस्निया को 4-1 से हराया

इंगलवुड। फीफा विश्व कप 2026 में स्विट्जरलैंड ने शानदार वापसी करते हुए शुक्रवार तड़के बोस्निया-हर्जेगोविना को 4-1 से हराकर ग्रुप बी में मजबूत स्थिति बना ली। मुकाबले का निर्णायक मोड़ दूसरे हाफ में आया, जब विकल्प खिलाड़ी योहान मंजांबी ने विश्व कप का अपना पहला गोल दागा और इसके बाद स्विट्जरलैंड ने लगातार आक्रामक खेल दिखाते हुए बड़ी जीत दर्ज की। पहले हाफ में स्विट्जरलैंड ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन बोस्निया की सधी हुई रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में स्विट्जरलैंड ने दबाव बढ़ाया और 74वें मिनट में मंजांबी ने शानदार वाली के जरिए टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद बोस्निया की मुश्किलें तब और बढ़ गई जब तारिक मुहरेमोविच को खतरनाक टैकल के कारण लाल कार्ड दिखाया गया और टीम 10 खिलाड़ियों तक सीमित हो गई। संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाते हुए स्विट्जरलैंड ने 84वें मिनट में रूबेन वर्गास के गोल से स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद 90वें मिनट में वर्गास के पास पर मंजांबी ने अपना दूसरा गोल दागा। मैच के इंजरी टाइम में कप्तान ग्रेनिट झाका ने पेनाल्टी को गोल में बदलते हुए स्कोर 4-1 कर दिया। बोस्निया की ओर से एकमात्र गोल एर्मिन माहमिक ने इंजरी टाइम में किया।

अंतिम मिनटों में टूटा भारत का सपना, जर्मनी ने एफआईएच हाकी प्रो लीग में 2-1 से हराया

राटरडैम

भारतीय पुरुष हाकी टीम ने एफआईएच हाकी प्रो लीग 2025-26 के राटरडैम चरण में शुक्रवार को मौजूदा विश्व चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ शानदार संघर्ष किया, लेकिन अंतिम क्षणों में मैच हाथ से निकल गया और भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए जुगराज सिंह ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को यादगार बनाते हुए गोल दागा, लेकिन जर्मनी ने अंतिम चार मिनट में दो गोल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुकाबले की शुरुआत में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखते हुए जर्मनी को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मजबूत रक्षापंक्ति के कारण विश्व चैम्पियन टीम पहले हाफ में स्पष्ट अवसर नहीं बना सकी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने तेज दबाव बनाते हुए जर्मनी को लगातार गलती करने पर मजबूर किया। अभिषेक ने भारत के लिए एक अच्छा मौका बनाया, लेकिन टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। तीसरे क्वार्टर में भारत को पहला पेनाल्टी कार्नर मिला और जुगराज सिंह ने 38वें मिनट में जोरदार ड्रैग फ्लिक लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह उनके करियर के 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच का खास पल बन गया। जर्मनी ने तीसरे क्वार्टर के अंत में लगातार हमले किए, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित एचएस ने शानदार बचाव करते हुए बढ़त कायम रखी। अंतिम क्वार्टर में भारत के पास अंतर बढ़ाने के अवसर आए, लेकिन टीम उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। इसका फायदा उठाते हुए जर्मनी ने 56वें मिनट में जस्टस वाइगांड के पेनाल्टी कार्नर गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद मुकाबले के अंतिम सेकंडों में जर्मनी को एक और पेनाल्टी कार्नर मिला, जिसे याकाब ब्रिला ने गोल में बदलते हुए अपनी टीम को 2-1 से जीत दिला दी। हार के बावजूद भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में विश्व चैम्पियन जर्मनी को कड़ी चुनौती दी और अपने खेल से प्रभावित किया। भारत अब 21 जून को भारतीय समयानुसार शाम 5:30 बजे अपने अगले मुकाबले में नीदरलैंड्स का सामना करेगा।

देवेंद्र की घातक गेंदबाजी और कनिष्क की आतिशी पारी से निमाड़ ईगल्स ने जबलपुर को 7 विकेट से हराया

अभिषेक भंडारी की 80 रन की शानदार पारी गई बेकार, 18.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर निमाड़ ईगल्स ने मारी बाजी

इंदौर

होलकर स्टेडियम की दूधिया रोशनी में खेले गए मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के एक रोमांचक मुकाबले में रायल निमाड़ ईगल्स ने जबलपुर रायल लायंस को 7 विकेट से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए जबलपुर ने 176 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था, जिसे ईगल्स ने हिमांशु मंत्री (45), कनिष्क दुबे (नाबाद 70) और कप्तान सारांश जैन (नाबाद 32) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत 18.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। देवेंद्र सिंह कथैत (3 विकेट) को उनके घातक गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

इस जीत के साथ रायल निमाड़ ईगल्स 6 मुकाबलों में 5 जीत और 10 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है। वहीं, जबलपुर रायल लायंस 6 मैचों में 4 जीत और 8 अंकों के साथ चौथे पायदान पर है, जिससे उनकी प्लेआफ की उम्मीदें अब भी कायम हैं।

ईगल्स की आक्रामक शुरुआत – 177 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायल निमाड़ ईगल्स को शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज मिला। पावरप्ले के दौरान टीम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 68 रन जोड़कर जीत की मजबूत नींव रख दी। हिमांशु संदीप मंत्री (45) और धर्मेश पटेल (23) ने बेहतरीन शुरुआत दी। मैच का रुख तब बदला जब दूसरे विकेट के लिए हिमांशु मंत्री और कनिष्क दुबे के बीच 80 रनों की आक्रामक साझेदारी हुई। इसके बाद, कनिष्क दुबे ने मैदान के चारों ओर शाट्स लगाते हुए 44 गेंदों में नाबाद 70 रन (6 चौके व 3 छक्के) ठोक दिए। अंत में कप्तान सारांश सुबोध जैन ने 20 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाकर चौथे विकेट के लिए नाबाद 56 रनों की साझेदारी निभाई और जीत की औपचारिकता पूरी कर दी।

भंडारी की मेहनत पर फिरा पानी – इससे पहले टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी जबलपुर रायल लायंस के लिए अभिषेक भंडारी ने एक छोर मजबूती से थामे रखा। भंडारी ने 51 गेंदों में 7 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 80 रन की बेहतरीन पारी खेली। अजय रोहेरा (40) के साथ उनकी साझेदारी की मदद से जबलपुर ने 20 ओवर में 176 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। निमाड़ ईगल्स के लिए देवेंद्र सिंह कथैत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 26 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जिसने जबलपुर की पारी को सीमित रखने में अहम भूमिका निभाई।

संक्षिप्त स्कोर

जबलपुर रायल लायंस : 176/6 (20 ओवर) – अभिषेक भंडारी 80*, अजय रोहेरा 40; देवेंद्र सिंह कथैत 3/26, कुमार कार्तिकेय 2/34।

रायल निमाड़ ईगल्स : 177/3 (18.3 ओवर) – कनिष्क दुबे 70*, हिमांशु मंत्री 45, सारांश जैन 32*; नयनराज मेवाड़ा 2/33।

ज्यादा शक्कर खाना हो सकता है हानिकारक

अधिक मात्रा में शक्कर का सेवन करने से त्वचा पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। रिसर्च द्वारा यह बात सामने आई है कि शक्कर आपकी त्वचा के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं है,शक्कर त्वचा में मौजूद जल को सोख लेती है और उसे रूखा बना देती है। इससे त्वचा झूलने लगती है। अगर आप ढेरों शक्कर खाती हैं तो उसे बैलेंस करने के लिए ढेर सारा पानी पीना ना भूलें।

काला नमक देता है बड़े फायदे

रोज सुबह काला नमक और पानी मिला कर पीना शुरु करें। इससे आपका ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर,ऊर्जा में सुधार, मोटापा और अन्य तरह की बीमारियां ठीक होंगी। काले नमक में 80 खनिज और जीवन के लिए वे सभी आवश्यक प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और प्रोटीन को पचाने वाले इंजाइम को उत्तेजित करने में मदद करते हैं। इससे खाया गया भोजन आराम से पच जाता है।

आयुर्वेद से करें गठिया का उपचार

सामान्यतया गठिया रोग 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को होता है, लेकिन वर्तमान में इसकी चपेट में युवा ही नहीं बच्चे भी आ रहे हैं। गठिया का रोग यानी आर्थराइटिस से शरीर के जोड़ो में दर्द और सूजन आ जाती है। गठिया रोग अचानक नहीं होता बल्कि धीरे-धीरे फैलता है इसलिए गठिया का सही उपचार जरूरी है। जरूरी नहीं है कि आप गठिया के उपचार के लिए एलोपैथ की शरण में ही जाएं, इसके लिए आप आयुर्वेद का सहारा ले सकते हैं। आयर्वेद के जरिए गठिया के सभी प्रकारों जैसे - रूमेटायड आर्थराइटिस, ऑस्टियो आर्थराइटिस, गाउट, जुवेनाइल आर्थराइटिस और ऐंकलूजिंग स्पोंडीलोसिस आदि का उपचार आसानी से कर सकते हैं। इस लेख में विस्तार से जानिए आयुर्वेद के जरिए गठिया का कैसे कर सकते हैं उपचार। आमतौर पर गठिया होने का प्रमुख कारण आनुवांशिक होता है, लेकिन कई बार किसी भयंकर बीमारी या संक्रमित रोग के कारण भी गठिया रोग हो जाता है। आर्थराइटिस को आयुर्वेद में आम-वात के नाम से जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार गठिया होने के कारकों में खराब पाचन, खानपान की गलत आदतें और निश्क्रिय जीवनशैली के साथ ही वात दोष को माना गया है।

आयुर्वेद से उपचार

आयुर्वेद में गठिया का पूरी तरह से इलाज किया जाता है न कि सिर्फ दर्द को खत्म करने की कोशिश की जाती है। यानी गठिया का स्थाई इलाज आयुर्वेद में ही संभव है। गठिया का इलाज लंबा होता है। इसीलिए आयुर्वेद में गठिया के इलाज को योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है इसलिए पीड़ित की जीवनशैली, रहन-सहन और खानपान आदि पर खास ध्यान दिया जाता है।

उपचार के साथ दिनचर्या

गठिया में सिर्फ आयुर्वेदिक औषधियां ही नहीं बल्कि अच्छी खुराक लेने की सलाह भी दी जाती है। दरअसल, आयुर्वेद के इलाज के दौरान, गठिया के मूल कारणों को खोजने और फिर उसका सही रूप में उपचार करने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। यदि किसी व्यक्ति में गठिया रोग वात बिगड़ने और दोषपूर्ण पाचन की वजह से हुआ है तो आयुर्वेद में उसके इलाज स्वरूप रोगी की असंतुलित शारीरिक ऊर्जाओं को शांत करने और पाचन क्षमता बेहतर करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

परहेज भी जरुरी

गठिया के उपचार में जितनी जरूरी इसकी चिकित्सा है, उससे कहीं अधिक जरूरी परहेज भी है। रोगी के लिए विशेष प्रकार के व्यायाम कराए जाते हैं और सप्ताह में एक से दो बार सोने के पहले 25 मिलीलीटर एरंड के तेल का दूध के साथ सेवन कराते हैं। इसके अलावा लक्ष्णों व रोग की गंभीरता के आधार पर उपचार किया जाता है। उपचार के दौरान रोगी को दर्द कम करने के लिए एंटी-रुमेटिक और एंटी-इंफ्लेमेट्री दवाएं दी जाती हैं साथ ही भरपूर आराम करने की सलाह दी जाती है।

उपचार और खानपान

गठिया के मरीजों के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। अधिक तेल व मिर्च वाले भोजन से परहेज रखें और डाइट में प्रोटीन की अधिकता वाली चीजें न लें। भोजन में बथुआ, मेथी, सरसों का साग, पालक, हरी सब्जियां, मूंग, मसूर, परवल, तोरई, लौकी, अंगूर, अनार, पपीता, आदि का सेवन करें। इसके अलावा नियमित रूप से लहसुन व अदरक आदि का सेवन भी इसके उपचार में फायदेमंद है। अर्थराइटिस के इलाज के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बेहद आवश्यक है, साथ ही पाचन तंत्र का भी बेहतर होना जरूरी है। इसलिए नियमित व्यायाम के साथ खानपान का विशेष ध्यान रखें।

क्या आप भी अपने बच्चे को बैठाते हैं वॉकर में?

वॉकर पर बैठे शिशु को इधर-उधर तेज गति से चलते हुए देखकर हर माता-पिता का मन प्रफुल्लित हो उठता है। वॉकर के बारे में ज्यादातर माता-पिता की यह धारणा है कि वॉकर के सहारे शिशु न केवल शीघ्र चलना सीख लेगा, बल्कि उसका शारीरिक विकास भी होगा। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो अलर्ट हो जाए, क्योंकि इस संबंध में जो शोध हुए है उसके अनुासर वॉकर शिशु के विकास को मन्द करता है। यह देखने में आया है कि शिशु के लिए वॉकर का प्रयोग माता-पिता कुछ सीमा तक अपनी सुविधा के लिए करते हैं। यह जानते हुए भी कि शिशु अभी ढंग से बैठना या घुटने के बल रेंगना या चलना नहीं सीखा है। आपको बता दें जिन शिशुओं की उम्र 2 वर्ष से कम है उनके वॉकर की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती है।

शिशुओं के एक वृहद समूह के लिए वॉकर का प्रयोग करने व नहीं करने वाले सम्मिलित है, इसका अध्ययन उनके शारीरिक संचारण और मानसिक विकास को लेकर किया गया था।

अनुसंधान में यह उजागर हुआ कि 6 से 15 माह के 109 शिशुओं में से जिन 56 शिशुओं को वॉकर दिया गया था, वो शारीरिक संचारण और मानसिक विकास के मापदंडों जैसे बैठना, रेंगना, चलना शामिल है में बिना वॉकर के 53 शिशुओं से तुलना में काफी पीछे रहे। इस अध्ययन से यह तथ्य सामने आया कि जो शिशु ने वॉकर का प्रयोग नहीं किया था। वो औसतन पांच माह की उम्र में बैठना, आठ माह में घुटने के बल रेंगना और दस माह की उम्र में चलने लायक हो गया था।

क्या कहता है शोध

शोधकर्ताओं के अनुसार शिशु घर के परिवेश में चल फिर कर बहुत सी वस्तुओं की खोज कर काफी कुछ सीखता है। वह किसी चीज या वस्तु को गिराकर फैंक कर उसको प्राप्त करने के लिए हर तरह की शारीरिक क्रिया करता है, जो कि वॉकर पर बैठे शिशु के लिए संभव नहीं हो पाता है और ऐसी परिस्थिति में वह अपने स्तर पर अनुसंधान/खोज नहीं कर पाता, जिसके फलस्वरूप उसके ज्ञान और बुद्धि का विकास भी नहीं हो पाता है।

वॉकर के कुप्रभाव

चाइल्ड स्पेशलिस्ट्स की मानें तो वॉकर के उपयोग में बच्चे के चोट लगने की संभावना रहती है। सामान्य बच्चों की तुलना में वॉकर का उपयोग करने वाले बच्चे सिढियां चढ़ने व उतरने में दिक्कत करते है और गिरने की संभावना ज्यादा रहती है। वॉकर की वजह से हैड इंजरी व मौत तक हो सकती है। अन्य प्रकार की चोटें जैसे फ्रैक्चर, केमिकल्स व जहरीले तरल पदार्थों को पी लेना, पानी का पौंड में डूब जाना शामिल है, होने की संभावना रहती है। एक साल से कम उम्र के बच्चे जिनकी टांगों में वजन झेलने की क्षमता कम होती है, वॉकर में खड़े होने से और टांगों पर जोर पड़ने से गोल मुड़ (बो-लेग्स) जाती है।

मेकअप उतारने के लिए लगाएं बादाम तेल

कई लड़कियों को आंखों पर लगा हुआ काजर और मस्कारा उतारने में थोड़ा समय लगता है। दुनिया की बहुत सी लड़कियों ने आंखों के मेकअप को उतारने के लिए बादाम तेल का इस्तेमाल किया है, जिससे उनका मेकअप बिना महनत किए ही उतर जाता है। बादाम तेल में बिल्कुल भी कैमिकल नहीं होता, जिससे त्वचा पर कोई बुरा असर पड़े। यह चेहरे पर कोमलता का एहसास छोड़ जाता है। इसे चेहरे या आंखों पर लगाने से यह त्वचा से आराम से छूट भी जाता है और बिल्कुल भी नहीं चिपचिपाता।

बादाम का तेल लगाने का तरीका

अपनी उंगलियों पर जरुरत भर का तेल ले कर पूरे चेहरे तथा आंखों पर लगाएं। फिर एक कॉटन बॉल ले कर उसमें गुलाब जल डाल कर चेहरे से एक्सट्रा ऑइल साफ करें।

थोड़ा सा और तेल ले कर आंखों से मस्कारा और आइलाइनर छुड़ा लें। एक बार मेकअप साफ कर लेने के बाद चेहरे को हल्के गरम पानी से धो लें।

चेहरे पर बादाम का तेल लगाने से ना केवल मेकअप साफ होता है, बल्कि चेहरे पर चमक भी आ जाती है। तो अब से बाजारू मेकअप रिमूवर ना खरीद कर बादाम तेल का ही प्रयोग करें।

जानें क्या होते हैं फ्रेकल्स

फ्रेकल्स त्वचा पर होने वाले एक प्रकार के दाग हैं। जो आकार में छोटे, चपटे तथा लाल या भूरे रंग धब्बे होते हैं। यह एक आम समस्या है। यह समस्या आमतौर पर लोगों में पाई जाती हैं और पूरी तरह नुकसानरहित होती हैं। हल्के रंग की त्वचा वाले लोगों में ये ज्यादा पाए जाते हैं क्योंकि उनमें त्वचा को सूर्य किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने वाला केमिकल मैलेनिन (त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न) कम मात्रा में होता है। त्वचा में मैलेनिन के असमान वितरण के कारण ही फ्रेकल्स उत्पन्न होते हैं। किसी एक जगह पर मैलेनिन का अत्यधिक बनना भी फ्रेकल्स बना देता है। फ्रेकल्स अधिक देर तक धूप में रहने का परिणाम हैं जो सूर्य की किरणों से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों में आम पाए जाते हैं। फ्रेकल्स आमतौर से चेहरे, कंधों और बांहों पर पाए जाते हैं। इस लेख को पढ़ें और फ्रेकल्स के बारे में विस्तार से जानें।

फ्रेकल्स के लक्षण: फ्रेकल्स किसी एक धब्बे या गुच्छों के रूप में भी अनियमित विकसित होते हैं, गुच्छों में होने के कारण यह त्वचा पर बहुतायत में देखे जा सकता हैं।

आनुवंशिकी कारण: फ्रेकल्स आनुवांशिक कारणों से भी आपकी त्वचा पर हो सकते है। यानी आपके परिवार में किसी को फ्रेकल्स हों तो आपको भी होने के चांस बढ़ जाते हैं।

धूप भी कारण: धूप में ज्यादा रहने से त्वचा को अधिक मैलेनिन बनाना होता है ताकि सूर्य की हानिकारक किरणों से रक्षा की जा सके। किन्हीं हिस्सों पर मैलेनिन का इस तरह बनना या मैलेनिन का असमान वितरण फ्रेकल्स बना सकता है।

फ्रेकल्स के जोखिम कारण: गोरे रंग के लोगों में फ्रेकल्स होने की आशंका अधिक रहती है क्योंकि ऐसी त्वचा में मैलेनिन कम होता है और यह (धूप में)आसानी से झुलस सकती है।

फ्रेकल्स का उपचार

अधिकतर मामलों में फ्रेकल्स हानिरहित होते हैं और कॉस्मेटिक कारणों को छोड़ दें तो इनका उपचार आवश्यक नहीं होता। त्वचा टोन की रिसेम्बलिंग हेतु एक जैसी टोन लाने के लिए फ्रेकल्स को हल्का करने हेतु ब्लीचिंग क्रीम का उपयोग किया जा सकता है। हालांकि यह प्रभावित त्वचा को असमान बना सकती है और रैशेज की वजह भी बन सकती है। लेजर ट्रीटमेंट या इन्टेन्स पल्सड लाइट थेरेपी पिगमेंटेशन को खत्म कर सकती है लेकिन परिणाम भिन्न हो सकते हैं और अनेक सिटिंग की जरूरत हो सकती है। क्रायोथेरेपी या तरल नाईट्रोजन द्वारा फ्रीजिंग। केमिकल पील्स।

फ्रेकल्स की रोकथाम

चूंकि गोरी त्वचा वाले लोगों को आसानी से फ्रेकल्स हो जाते हैं और सूरज की धूप से त्वचा का निरंतर अत्यधिक क्षतिग्रस्त होना आपके लिए त्वचा कैंसर होने के चांस बढ़ा सकता है। इसलिए रोकथाम के उपाय अपनाए जाने की जरूरत होती है। फ्रेकल्स ऐसी त्वचा का लक्षण है जो आसानी से सनबर्न का शिकार हो सकती है जिससे आगे चलकर त्वचा कैंसर हो सकता है। कम से कम 30 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन इस्तेमाल करें और फिर उपयोग संबंधी लेबल निर्देशों का पालन करें। ज्यादा देर तक धूप में रहने से बचें।

बारिश में सेहतमंद बनाता है अदरक

बारिश के दिनों में भीगने का मजा ही कुछ और है। बाद में सर्दी होने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है। इस दौरान चाय और भोजन में उपयोग किया जाने वाला अदरक आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इसके सूखे हुए स्वरूप को सोंठ कहा जाता है।

अदरक के सेवन से आपकी स्वास्थ्य संबंधी आधी से ज्यादा समस्याएं चुटकियों में दूर हो सकती हैं। इसका इस्तेमाल हालांकि सालभर किया जाता है, लेकिन बरसात में अपनी डाइट चार्ट में इसको शामिल कर अदरक के कमाल के गुणों का लाभ आप उठा सकते हैं...

बरसात में सर्दी, जुकाम, कफ की समस्या होना आम बात है। इस दौरान गर्मागर्म अदरक का काढ़ा या चाय बेहद लाभ देती है। इसके अलावा अदरक का सेवन तनाव कम करने और थकान दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा गले में इंफेक्शन या दर्द होने पर अदरक और काले नमक का एक साथ सेवन जल्द राहत पहुंचाता है।

खूबसूरती निखारता है अदरक

अदरक स्वाद के साथ ही खूबसूरती भी निखारता है। इसके लेप से त्वचा के दाग मिटने के साथ ही झुर्रियां भी कम होती हैं। जोड़ों के दर्द में भी यह फायदेमंद है। बस आपको दर्द वाली जगह पर अदरक का गर्म लेप लगाना है, इससे काफी फायदा मिलता है। इसके अलावा अमीबिक पेचिश, गठिया, साइटिका जैसी बीमारियों का इलाज भी अदरक में छिपा हुआ है।

श्वास संबंधी रोग में फायदेमंद

आपको बता दें अदरक की गर्म तासीर होने के कारण सांस संबंधी तकलीफ होने पर काफी फायदा मिलता है। नहीं रहेगी अपच की समस्या अदरक पाचन क्रिया को बेहतर करता है। अगर आपको भूख नहीं लग रही है या फिर उदरशूल की समस्या है, तब अदरक आपकी समस्या से छुटकारा दिला सकता है। जी मचलाना या अपच जैसी समस्याओं में भी अदरक बेहद लाभदायक है।

महिलाओं की समस्याएं होगीं दूर

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता और दर्द में भी अदरक के सेवन से निजात मिलती है। इसके अलावा गर्भाशय के कैंसर, डाइबिटीज और हृदय रोगियों को भी अदरक का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

रेसिपी

ओटस् रवा इडली

सामग्री

1/2 कप ओट्स का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/2 कप ताजा दही, 2 टी-स्पून घी, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हिंग, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 2 टेबल-स्पून मोटे कटे हुए काजू, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, नमक, स्वाद अनुसार, 1/2 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, **चुपड़ने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** सांभर, नारियल की चटनी

विधि

ओट्स का आटा, सुजी, दही और ¾ कप पानी को एक गहरे बर्तन में मिलाइए और 30 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में धी गरम करें और उसमे सरसों डालिए। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे जीरा और हिंग डाले और मध्यम आंच पर कुछ सेकेंड भुनिए। अब इस तड़के को बाकी बची सामग्री, सिवाय फ्रूट सॉल्ट के, ओट्स और सुजी के मिश्रण के साथ मिलाइए। स्टिम करने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट डाले और उपर से 2 टी-स्पून पानी डाले। बुलबुले आना शूरु हो, तब उसे धीरे से मिलाइए। इडली पात्र को तेल लगाइए और उसमे मिश्रण डालकर स्टिमर में 7 से 8 मिनट इडली पकने तक स्टिम कीजिए। थोड़ा सा टंडा करें और पात्र से निकाल कर सांभर और नारियल की चटनी के साथ तुरंत परोसे।

पनीर पीटा पॉकिट्ज

सामग्री

पीटा ब्रैड: 3/4 कप संपूर्ण गेहूं का आटा, 3/4 स्पून दरदरा ताजा खमीर, 1/2 स्पून शक्कर, नमक, 1/2 स्पून तेल गूंधने के लिए, 2 स्पून तेल, 1 स्पून नींबू का रस, 12 मिलीमीटर (1/2) का टुकड़ा कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 स्पून कटा हरा धनिया, 1 स्पून बहुत बारीककटा लहसुन, **पनीर कोलस्लो:** 1/2 कप 12 मिमी. (1/2) के चकोर टुकडो में कटा पनीर, 1 कप कतरी हुई बंद गोभी, 1/2 कप कसी गाजर, 1/2 कप अंडारहित मेयोनीज, 1/2 टी-स्पून सरसों का पाउडर, 1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक तथा ताजी पिसी काली मिर्च , स्वाद अनुसार

विधि

पीटा ब्रैड के लिए: सारी सामग्री को एक बाउल में डालकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम और इलास्टिक जैसा गूंध लीजिए। थोड़ा तेल डालिए और वापस गूंधिए। मलमल के गीले कपड़े से 10 से 20 मिनट तक ढक कर रख दीजिए जब तक फूलकर दुगना नही हो जाता। आटे को हल्के हाथ से दबाइए ताकि सारी हवा बाहर निकल जाए। आटे को 4 बराबर भागो में बांटिए। आटे के प्रत्येक भाग को 100मिमी. (4) व्यास और 6 मिमी. (द) मोटी रोटी के रूप में बेलिए। पीटा ब्रैड को मध्यम आंच पर गरम तवे पर दरारे पड़ने और फूलने तक थोड़ा सा सेकिए पीटा ब्रैड को 2 भागो में काटिए और एक तरफ रख दीजिए। **पनीर कोलस्लो के लिए:** एक बाउल में पनीर और मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथें से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सामग्री डालकर हल्के हाथों से मिलाइए और फ्रिज में रख दीजिए। कोलस्लो को 4 बराबर भागो में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**